



एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप: 72 साल का सूखा खत्म, हरमीत-यशस्वीनी की जोड़ी ने किया मेडल पक्का



एजेंसी ■ ताशकंद
भारत के हरमीत देसाई और यशस्वीनी घोरपड़े ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शुक्रवार को ताशकंद में चल रही एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ट डबल्स इवेंट में इस जोड़ी ने भारत के लिए एक मेडल पक्का कर लिया है।

भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंच गई है, जिससे एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ट डबल्स इवेंट में 72 साल बाद भारत के लिए मेडल पक्का हो गया है। इससे पहले भारत ने इस इवेंट में आखिरी बार 1954 में मिक्स्ट डबल्स में मेडल जीता था।

भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंच गई है, जिससे एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ट डबल्स इवेंट में 72 साल बाद भारत के लिए मेडल पक्का हो गया है। इससे पहले भारत ने इस इवेंट में आखिरी बार 1954 में मिक्स्ट डबल्स में मेडल जीता था।

अरुणाचल में चीन से झड़पें हुई: गलवान रिपीट न हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर- आईटीबीपी चीफ



एजेंसी ■ नई दिल्ली
आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है।

शत्रुजीत राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह माना कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में ऊपरी

सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है।

गलवान रिपीट ना हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर होना चाहिए। शत्रुजीत ने यह बयान अपने रिटायरमेंट के 7 दिन पहले दिया है।

वे 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं।

आईटीबीपी के डीजी ने कहा कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें (डब्ल्यूएमसीसी, विशेष प्रतिनिधि

आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित मुरिया दरबार में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक निर्णय प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय, आपसी सहयोग और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि समय के साथ शासन व्यवस्था, नीतियां और कानून बदलते रहते हैं, लेकिन आदिवासी समाज ने अपनी परंपराओं, सामाजिक नियमों और अलिखित संविधान को पीढ़ियों से जीवित रखा है। यह व्यवस्था समाज में सुख-शांति, प्रेम, सद्भाव और सामूहिकता बनाए रखने का महत्वपूर्ण आधार है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुरिया दरबार में उपस्थित आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और पारंपरिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे एक बार फिर अपनी संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर दिया है। इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूँ। उन्होंने कहा कि मैं भी इसी आदिवासी संस्कृति और परंपरा से आती हूँ। मेरे दादाजी मांझी थे, मेरे पिताजी भी मांझी थे और मेरे भाई भी मांझी हुआ करते थे। मैं एक मांझी की बेटी हूँ, गांव के मुखिया



की बेटी हूँ। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य आज भले ही उनके बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं के प्रति उनका जुड़ाव आज भी उतना ही गहरा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश में पहले राजाओं का शासन था, इसके बाद अंग्रेजों का शासन आया और आज भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है। समय के साथ शासन व्यवस्था और कानूनों में परिवर्तन हुआ है, लेकिन आदिवासी समाज की अपनी पारंपरिक व्यवस्था आज भी विद्यमान है जो किसी पुस्तक में नहीं लिखा गया है, लेकिन समाज के लोग पीढ़ियों से इसका



पर्व-त्यौहार मनाते हैं। नृत्य, गीत-संगीत और सामूहिक उत्सवों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। उन्होंने इस समृद्ध विरासत को संरक्षित रखने के लिए समाज के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृति, परंपरा, संविधान और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूल उद्देश्य समाज में सुख-शांति, आनंद और प्रेम बनाए रखना है। इस दृष्टि से आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था अत्यंत सुंदर और उत्कृष्ट है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी समाज की पारंपरिक न्याय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों में मांझी और अन्य पारंपरिक प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

अब माझियों को 5000 रुपए और चालकियों को 3500 रुपए मिलेगा मासिक मानदेय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, कांग्रेस के भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, विधायक कोण्डागांव लता उमेशी, महापौर संजय पाण्डे सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी बीएन मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी शलभ सिन्हा सहित पारंपरिक मांझी-चालकी, मेबर-मेंबरिन, नाइक-पाइक और बस्तर दशहरा समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, कांग्रेस के भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, विधायक कोण्डागांव लता उमेशी, महापौर संजय पाण्डे सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी बीएन मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी शलभ सिन्हा सहित पारंपरिक मांझी-चालकी, मेबर-मेंबरिन, नाइक-पाइक और बस्तर दशहरा समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

अमेरिका का साथ देने वाले देशों को माना जाएगा 'दुश्मन', ईरान की चेतावनी



एजेंसी ■ तेहरान

ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में अमेरिका और ईरान के बीच फिर से सैन्य संघर्ष होता है, तो अमेरिका का समर्थन करने वाले किसी भी देश को तेहरान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कदम उठाने वाला माना जाएगा।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के सदस्य फदा हुसैन मलिकी ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि यदि सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू होती है तो ईरान

यह पहचानने में सक्षम होगा कि कौन-कौन से क्षेत्रीय देश अमेरिकी सेना का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसी स्थिति में ईरान के फैसले केवल उन देशों में मौजूद सैन्य ठिकानों पर हमले तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन देशों को भी शत्रु देश की श्रेणी में रखा जा सकता है।'

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका ने पिछले तीन वर्षों में इजराइल की मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए करदाताओं के 11 अरब डॉलर खर्च किए हैं।

बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर मतदान समाप्त, 27 को आएंगे परिणाम



एजेंसी ■ पटना

बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के लिए शुक्रवार को छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। शाम चार बजे तक स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में 43.87 फीसदी, जबकि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों

में 74.55 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। हालांकि, मतदान केंद्रों पर शाम चार बजे तक कतार में खड़े मतदाताओं को वोट डालने का मौका दिया जाएगा। ऐसे में मतदान प्रतिशत में बदलाव की संभावना है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कोसी सीट पर सबसे अधिक 52.51 फीसदी मतदान हुआ, जबकि पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम 36.19 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 42.15 फीसदी और दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 42 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में सारण सीट पर सबसे अधिक 87.16 फीसदी मतदान हुआ। दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 79 फीसदी और तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 78.10 फीसदी वोट पड़े।

पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत 56.89 रहा। प्रदेश में चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों के लिए कुल 150 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से 90 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से 60 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

एसआईआर के जरिए वोट चोरी का आरोप, कांग्रेस ने किया पुतला दहन



संवाददाता ■ रायपुर

एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची में अनियमितताओं एवं वोट चोरी के आरोपों को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा शहर

अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में गोगांव मुख्य मार्ग पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं

ने केंद्र सरकार एवं मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर सवाल उठाए। पुतला दहन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हल्की झुमाझुटकी भी हुई। पुलिस की रोकने की कोशिशों के बीच कार्यकर्ता पुतला दहन करने में सफल रहे।

शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि एस आई आर के माध्यम से मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर जिस तरह के सवाल सामने आ रहे हैं, उनसे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जगदलपुर के लालबाग मैदान में आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से बस्तर नक्सलवाद से मुक्त होकर प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मेडल जीत सकते हैं। राष्ट्रपति ने लोगों से पेड़-पौधों और जंगलों को बचाने की अपील भी की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय बस्तर दौरे पर आई थीं। इस दौरान उन्होंने मां दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन किए और सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में मांझी-चालकियों व जनजातीय प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

उन्होंने मुरिया दरबार की परंपरा को लोकतंत्र का गौरव बढ़ाने वाली व्यवस्था बताया। इसके बाद राष्ट्रपति ने लालबाग



मैदान में बस्तर दशहरा और जनजातीय संस्कृति पर आधारित स्टॉल देखे। प्रदर्शनी के दौरान वे देश की पहली राष्ट्रपति और पूछा कि बड़ी होकर क्या बनोगी?

बच्ची ने जवाब दिया- कलेक्टर बनूंगी। बस्तर दशहरे के मुरिया दरबार में शामिल होने वाली वे देश की पहली राष्ट्रपति हैं।

पहला दशहरा- सीएम

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बस्तर आना सौभाग्य की बात है। बस्तर दशहरा जनजातीय संस्कृति और उत्साह का प्रतीक है।

माओवाद से मुक्ति के बाद इस बार दशहरा खास है। बस्तर पंडुम के जरिए यहां की संस्कृति देश-दुनिया तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार योजनाओं का लाभ बस्तर के अंदरूनी इलाकों तक पहुंचा रही है। गांवों में बस और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं।

रायपुर से रावचाट तक रेल सेवा शुरू हुई है। रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे का बड़ा हिस्सा बस्तर से गुजर रहा है। जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी बन रही है और गोदाम में मेडिकल कॉलेज शुरू हो गया है।

माँ दंतेश्वरी मंदिर बस्तर की अटूट आस्था, समृद्ध परंपरा की विरासत का प्रमुख केंद्र: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी से देशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मंदिर में माँ दंतेश्वरी के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर की आराध्य देवी माँ



दंतेश्वरी के प्रति अंचल के लोगों की अटूट श्रद्धा है। माँ दंतेश्वरी बस्तर की आस्था और लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी का माँ दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के लिए आगमन बस्तर और पूरे

छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर अपनी अनुपम जनजातीय संस्कृति, प्राचीन परंपराओं और विशिष्ट जीवन मूल्यों के लिए देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। यहाँ की परंपराओं में प्रकृति, आस्था और समाज के बीच गहरा संबंध दिखाई देता है। राष्ट्रपति जी के प्रवास से बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि माँ दंतेश्वरी बस्तर अंचल की आराध्य देवी हैं। माँ दंतेश्वरी के प्रति बस्तरवासियों की गहरी आस्था है और उनकी उपासना क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखती है। माँ दंतेश्वरी से जुड़ी आस्था बस्तर की सदियों पुरानी परंपराओं और यहां के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में गहराई से रची-बसी है।

आई.पी. मिश्रा ने युवाओं को दिया संघर्ष और नेतृत्व का संदेश ल’अवेनिर के ‘सन्विद 2026’ समिट का शुभारंभ

विश्व केसरी■
भिलाई (संतोष सिंह)। शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एवं शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस जुनवानी, भिलाई के वार्षिक टेक्नो-कल्चरल एवं मैनेजमेंट फेस्ट ‘सन्विद 2026’ का आज शुभारंभ हुआ। इस वर्ष फेस्ट की थीम ‘कनेक्टिंग माइंड क्रिएटिंग फ्यूचर’ रखी गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी, सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं प्रबंधन संबंधी गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा नवाचार, संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का



अवसर प्रदान करना है। इसी क्रम में आज ल’अवेनिर के ‘ए न्यू जनरेशन समिट’ का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना के साथ हुआ। **कुलाधिपति आई.पी. मिश्रा ने दिया संघर्ष और नेतृत्व का संदेश** इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आई.पी. मिश्रा ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना,

उसके उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और वैश्विक स्तर पर उसकी भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने नेतृत्व के विभिन्न स्वरूपों पर चर्चा करते हुए कहा कि समाज में कई प्रकार के नेता होते हैं। कुछ लोग वास्तव में नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं, जबकि कुछ केवल नेता होने का दिखावा करते हैं।

नुआखाई भेंटघाट, सेवा सम्मान पर्व अविस्मरणीय रहा- पुरंदर मिश्रा

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित नुआखाई भेंटघाट, सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन कार्यक्रम हमारे लिए गौरव और प्रेरणा का अविस्मरणीय अवसर रहा। मैं महामहिम राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमुदाय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुरात सहबे, टंकराम वमां, श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू ,



अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह टाकुर सहित निगम-मंडलों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षगण, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, युवा तथा गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। सभी के सहयोग और सहभागिता के लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

कार्यक्रम का उद्देश्य

इस आयोजन का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक उत्सव मनाना नहीं,

बल्कि संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा और युवा सशक्तिकरण को एक साझा मंच पर लाना है। नुआखाई हमारी कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्नदाता किसान के सम्मान और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक विकास की ओर आगे बढ़ना ही इस आयोजन की मूल भावना है।

सेवा सम्मान पर्व के माध्यम से समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण, जनसेवा तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना है। वहीं, युवा प्रबोधन का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता,

नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना है। युवाओं को नशामुक्त जीवन, सकारात्मक सोच, अनुशासन और सेवा भाव अपनाने का संदेश देना भी इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण लक्ष्य है। **विकसित भारत /2047 की कल्पना** वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे। विकसित भारत का महाराष्ट्र संकल्प केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो शिक्षित, आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से समरस और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हो। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका निर्णायक है।

सांसद चिंतामणि महाराज ने सभी खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का किया आह्वान

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में आज से 4 दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज हुआ। राज्य स्तरीय स्पर्धा का आयोजन सरगुजा अंचल वासियों के लिए गौरव का क्षण है। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मल्टीपरपज स्कूल) ग्राउंड, अंबिकापुर में 26वीं चार दिवसीय राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ। खेल का शुभारंभ सांसद महाराज द्वारा बास्केट में बाल डालकर किया गया। इस प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शुभारंभ समारोह में विद्यार्थियों ने बिहू नृत्य, पारंपरिक गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से



कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने, निरंतर अभ्यास करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। खेलों के जरिए राष्ट्रीय एकता की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है। सांसद ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ खेलने का आह्वान किया। साथ ही सांसद महाराज ने कहा कि

राज्य के सभी संभाग के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर रहे सभी 215 छात्र एवं 245 छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सभी को अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हार जीत तो जीवन का अभिन्न हिस्सा है। बेहतर खिलाड़ी वही है जो अच्छे खेल भावना के साथ अपना बेहतर प्रदर्शन करता है।

चार खेलों की विभिन्न वर्गों में होंगी प्रतियोगिताएं

चार दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस की प्रतियोगिताएं विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जा रही हैं।

अंतर महाविद्यालय बास्केट बॉल प्रतियोगिता में सेंट विसेंट पैलोटी महाविद्यालय बनी विजेता

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग और महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर छत्तीसगढ़ संयुक्त तत्वाधान में अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 18 अक्टूबर 2026 को हुआ।

यह आयोजन बालाजी विद्यालय देवेंद्र नगर के खेल मैदान में किया गया इसमें पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से पंजीकृत 6 महाविद्यालयों की टीमों में हिस्सा लिया रोचक और रोमांचक मुकाबले में सेंट विसेंट पैलोटी कॉलेज की टीम को विजेता घोषित किया गया महाविद्यालय की टीम ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की टीम को संघर्षपूर्ण मुकाबले में पराजित किया इन संपूर्ण आयोजन के मुख्य अतिथि बालाजी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एवं आभ्या ए सोसिएशन के अध्यक्ष स्वामी थे



वही कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर्य ने की आयोजन में विप्रा मिश्रा विप्र कॉलेज रायपुर तनविका चौधरी सेंट पे लोटी कॉलेज विजेता प्रकाश प्रीथका कन्या महाविद्यालय आरंग कॉलेज संस्कृत कॉलेज और डागा कन्या महाविद्यालय की टीमों ने भाग लिया था विजेता टीम के चयन विश्वविद्यालय टीम के लिए हुआ है इसके अलावा टीम में अतिरिक्त खिलाड़ियों की भी व्यवस्था रखी गई है जिसमें अंचल सोमन और लेखा चौहान को शामिल किया गया है यह तीनों खिलाड़ी संस्कृत कॉलेज डागा कॉलेज और यूटीडी के विद्यार्थी हैं।

सिद्धबाबा गेट (भाटापारा-हथबंद) रेलवे समपार अस्थायी रूप से बंद रहेगा



विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल अंतर्गत भाटापारा एवं हथबंद रेलवे स्टेशनों के मध्य स्थित रेलवे समपार फाटक क्रमांक 385 (कि.मी. 766/13-15) जिससे सिद्धबाबा गेट के नाम से जाना जाता है, पर अप लाइन में अत्यावश्यक मरम्मत कार्य किया जाना है। इस कार्य के कारण उक्त समपार फाटक पर दिनांक 26.10.2026 (सोमवार) सुबह 09:00 बजे से दिनांक 28.10.2026

(बुधवार) 18:00 बजे तक सड़क यातायात का आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा। रायपुर रेल मंडल आमजन एवं वाहन चालकों से अनुरोध करता है कि उक्त अवधि के दौरान असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। रेलवे प्रशासन को इस आवश्यक कार्य के दौरान आमजन को होने वाली असुविधा के लिए खेद है तथा सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

	कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- 6) :- आर्.एस.जी.टी.टी.पुर्व तल, समपार, रायपुर :- Email ID - rnczone6@gmail.com पत्र क्रं /.....36524-../ न. पा. नि. / जौन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 23-10-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36524 वाई का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663T0182H जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती OM KUMARI DEWANGAN पिता/पति श्री श्रीमती SHANKAR PRASAD DEWANGAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती BABY SINGH THAKUR पिता / पति श्री/श्रीमती W/O JAGDISH SINGH THAKUR ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे (जोन कमिश्नर) जौन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- 6) :- आर्.एस.जी.टी.टी.पुर्व तल, समपार, रायपुर :- Email ID - rnczone6@gmail.com पत्र क्रं /.....36524-../ न. पा. नि. / जौन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 23-10-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36524 वाई का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663T0182H जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती OM KUMARI DEWANGAN पिता/पति श्री श्रीमती SHANKAR PRASAD DEWANGAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती BABY SINGH THAKUR पिता / पति श्री/श्रीमती W/O JAGDISH SINGH THAKUR ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे (जोन कमिश्नर) जौन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- 4) :- प्रेत लथ, कनी रोड के नीचे, छटापार, रायपुर :- Email ID - mczone4@gmail.com पत्र क्रं /.....36354-../ न. पा. नि. जौन क्रं 4/2026 रायपुर, दिनांक 23-10-2026 नामांतरण प्र.क्र. 36354 वाई का नाम 44 - स्वामी विवेकानंद सरदार बाजार काई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 44 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR757B00479 जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती SUNIL KUMAR पिता/पति श्री/श्रीमती TARACHAND NIMANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्रीमती कलितला सोनी, 02. श्री राजकुमार सोनी पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पति राजकुमार सोनी, 02. पति टीकमचंद जी सोनी ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे श्रीमती दिव्या चंदवंशी (जोन कमिश्नर) जौन (4) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- 2) :- राहिल स्टाक एक्ल मदन, कानडी, रायपुर :- Email ID - rnczone2@gmail.com पत्र क्रं /.....36532-../ न. पा. नि. जौन क्रं 2/2026 रायपुर, दिनांक 23-10-2026 नामांतरण प्र.क्र. 36532 वाई का नाम 13 - राजीव गांधी वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR223A00205 जो को निगम अधिलेख श्री/श्रीमती MR. NAVEEN JAIN पिता/पति श्री श्रीमती PRASANN KUMAR JAIN के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती संगीता जैन पिता/पति श्रीमती/ श्री मनीष जैन ने मूल प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे श्री संतोष पाण्डेय (जोन कमिश्नर) जौन (2) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	---

	कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- 2) :- राहिल स्टाक एक्ल मदन, कानडी, रायपुर :- Email ID - rnczone2@gmail.com पत्र क्रं /.....36530-../ न. पा. नि. जौन क्रं 2/2026 रायपुर, दिनांक 23-10-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36530 वाई का नाम 13 - राजीव गांधी वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR222A00225 जो को निगम अधिलेख श्री श्रीमती BAJRANG DAS MANIKPURI पिता / पति श्री/श्रीमती MADAN DAS MANIKPURI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती विमला वाई पिता/पति श्री श्रीमती स्व. वैसाय सारथी ने मूल प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, टैक्स रसीद, बैकना / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे श्री संतोष पाण्डेय (जोन कमिश्नर) जौन (2) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	---

	कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- 7) :- मंगलम कामरेलय अस्तेन चौक, रायपुर :- Email ID - rnczone7@gmail.com पत्र क्रं /.....36521/- न. पा. नि. जौन क्रं 7/2026 रायपुर, दिनांक 23-10-2026 नामांतरण प्र.क्र. 36521 वाई का नाम 38 - स्वामी अत्मानंद वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 33 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR717B00289 जो ज को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती BANSHI LAL PANJABI पिता/पति श्री श्रीमती LT. JHAMAN DAS PANJABI के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती प्रभा देवी दुगड़ पिता/पति श्री श्रीमती सुरपत सिंह दुगड़ ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे (जोन कमिश्नर) जौन (7) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	---

सांस्कृतिक कार्यक्रम की ड्यूटी में तैनात प्रधान आरक्षक पर जानलेवा हमला, सिर में लगे 12 टांके

ग्राम सरखोर में अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात व्यक्ति ने दिया वारदात को अंजाम

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोरे)। ग्राम सरखोर में बुधवार, 21 अक्टूबर की रात सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस जवान पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा ईंट से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। घायल जवान की पहचान प्रधान आरक्षक सुनील डहरिया के रूप में हुई है, जो थाना लवन में पदस्थ हैं। हमले में उनके सिर पर गंभीर चोट आई है। घटना के बाद घायल जवान को तत्काल जिला अस्पताल बलौदाबाजार रेफर किया गया, जहां उनके सिर में करीब 12 टांके लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

लघुशंका के लिए गए थे जवान, लौटते समय हुआ हमला
जानकारी के अनुसार, ग्राम सरखोर में बुधवार रात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई थी। इसी ड्यूटी में प्रधान आरक्षक सुनील डहरिया भी तैनात थे। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान वे



लघुशंका के लिए गए थे। वापस लौटते समय अंधेरे का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन पर ईंट से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में प्रधान आरक्षक के सिर पर चोट लगी और वे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों के बीच हलचल मच गई। घायल जवान को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल

बलौदाबाजार रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उनके सिर में आई चोट का उपचार किया। जानकारी के मुताबिक, चोट की गंभीरता को देखते हुए उनके सिर में 12 टांके लगाए गए हैं।

अंधेरे का फायदा उठाकर वारदात को दिया अंजाम

घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, हमला करने वाले व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। आरोपी ने अंधेरे का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया और घटना के बाद मौके से फरार हो गया। हालांकि, हमले के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो

पाया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि प्रधान आरक्षक पर हमला किसने और किन परिस्थितियों में किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवान पर इस तरह हमला किए जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अब आरोपी की पहचान करने और घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने में जुटी हुई है।

लवन थाना प्रभारी ने कही कार्रवाई की बात

इस मामले में लवन थाना प्रभारी अश्वनी कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रधान आरक्षक सुनील डहरिया पर हमला करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी गई है और आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और हमला करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाएगा।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

फिलहाल इस मामले में आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की जांच जारी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं को पड़ताल कर रही है। अब देखना होगा कि जांच के दौरान हमलावर और पहचान कब तक हो पाती है और पुलिस उसे गिरफ्तार करने में कितनी जल्दी सफल होती है।

पुलिस की विवेचना पूरी होने के बाद ही हमले के कारणों और घटना की परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नेवासपुर नाबालिग हत्याकांड में नया मोड़, आरोपियों को जमानत मिलने पर मृतिका के दादा ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

विश्व केसरी■
मुंगेली (रवि शुक्ला)।जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवासपुर में 17 वर्षीय नाबालिग बालिका की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस द्वारा अंधेकल का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने के बाद अब मामला एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। मृतिका के दादा उत्तम मोहले ने 23 अक्टूबर 2026 को जिला कलेक्टर मुंगेली को आवेदन सौंपकर मामले में निष्पक्ष जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने तथा सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।



आवेदन में उत्तम मोहले ने अपनी नातिन की हत्या का आरोप लगाते हुए परिवार की आर्थिक स्थिति और घटना के बाद उत्पन्न भय के माहौल का उल्लेख किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि आरोपियों को जमानत मिलने से परिवार की चिंता बढ़ गई है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने जिला प्रशासन से मामले

को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई करने की अपील की है।

20 अक्टूबर की रात सामने आई थी नाबालिग की मौत की घटना - पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नेवासपुर निवासी उत्तम मोहले को 20 अक्टूबर 2026 की रात सूचना मिली कि उनकी 17 वर्षीय नातिन अपने बिस्तर पर अचेत

अवस्था में पड़ी है और आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही है। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर बालिका को अचेत पाया। उसके गले पर चोट एवं खरोंच के निशान तथा दाहिने हाथ और पैर पर धब्बेनुमा निशान भी मिले। सूचना मिलने पर थाना सिटी कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव का पंचनामा कर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। मर्ग जांच के दौरान घटनास्थल से प्राप्त साक्ष्यों और गवाहों के कथनों के आधार पर पुलिस ने प्रथम दृष्टया हत्या का मामला मानते हुए अपराध क्रमांक 343/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की।

पीवी ऐप की परेशानी पर पटवारियों का आंदोलन तेज, विधायक रोहित साहू से लगाई गुहार

विश्व केसरी■
गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। राजस्व पटवारियों की समस्याओं और लॉकित मांगों को लेकर राजस्व पटवारी संघ जिला गरियाबंद ने राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू से मुलाकात कर चार सूचीय मांगों के निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।

संघ ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर पीवी ऐप की व्यवहारिक एवं तकनीकी समस्याओं, पटवारियों पर की जा रही दंडात्मक कार्रवाई, लॉकित वेतन विसंगति और पदोन्नति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। संघ का कहना है कि बार-



बार समस्याओं से अवगत कराने के बावजूद उनका ठोस एवं व्यावहारिक समाधान नहीं हो पाना पटवारियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। राजस्व पटवारी संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार, पीवी ऐप के माध्यम से कराए जा रहे फसल के भौतिक सत्यापन कार्य में पटवारियों को विभिन्न व्यवहारिक एवं

तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संघ का कहना है कि इन समस्याओं से शासन और संबंधित विभाग को पूर्व में ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद समाधान नहीं होने के कारण 13 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की गई।

राजिम में ट्रैक्टर से गिरकर ग्रामीण की मौत चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। राजिम इलाके में ट्रैक्टर से गिरकर ग्रामीण की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया कि ग्रामीण दुर्गा प्रतिमा विसर्जन कर लौट रहे थे। इस दौरान इंजन में बैठा ग्रामीण अनियंत्रित होकर नीचे गिर गए। गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। घटना गरियाबंद जिले के राजिम थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के



अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 7 बजे ग्राम पोखरा में नवयुवक दुर्गा समिति स्वर्णनगर के सदस्य दुर्गा प्रतिमा इंजन के पास बैठे हुए थे। इसी दौरान ग्राम पोखरा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के

जैसे बुधराम निषाद चला रहा था। ट्रैक्टर की ट्रेली में ग्रामीण बैठे थे, जबकि घनश्याम साहू स्वर्णनगर के सदस्य दुर्गा प्रतिमा इंजन के पास बैठे हुए थे। फिलहाल नवापारा की सफाई व्यवस्था को लेकर उठे सवालों ने पालिका प्रशासन की जवाबदेही को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।



डाक विभाग की ओर से नागरिकों को प्रेरित करते हुए कहा गया कि आपकी सेवा में डाक विभाग, जुड़िए अपने डाकघर से। अपनी समस्याएं बताएं, समाधान पाएं। आपकी सुविधा हमारी प्राथमिकता है। अभियान के माध्यम से लोगों को डाकघर की सेवाओं का लाभ उठाने तथा अपनी बचत को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि गण में वरिष्ठ नागरिक नथमल शर्मा, संगीता दीक्षित, भोले शंकर जायसवाल, बलराम पटेल, नगर पंचायत छुरा की सभापति

रजनी लहरे , नारायण सिन्हा जनपद सदस्य एवं समाजसेवी शीतल ध्रुव सहित अन्य अतिथि मंच पर उपस्थित रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास स्टैंड छुरा में चौपाल लगाया गया। आयोजक, प्रवर अधीक्षक रायपुर छत्तीसगढ़ डाक चौपाल जैसे जनजागरूकता कार्यक्रमों से नागरिकों को सरकारी सेवाओं की जानकारी मिलती है और वे अपनी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस प्रकार डाक विभाग की पहल आम जनता तक

सुविधाएं पहुंचाने तथा सेवा और विश्वास के संबंध को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल प्रोजेक्ट्स के माध्यम से वीडियो दिखाया गया हिमालय की छोटी से कन्याकुमारी तक डाक कर्मचारी अपनी सेवाएं दे रही डाक विभाग का योजनाएं डाकघर बचत खाता, डाकघर आवर्ती जमा खाता, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, सार्वजनिक भविष्य निधि खाता, स्वास्थ्य एवं सम्मान किया गया। बस पत्र, सुकन्या समृद्धि खाता बेटियों के ल उज्ज्वल भविष्य के लिए, महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र, डाक ज्ञानबीम, ग्रामीण डाकघर बीमा, इंडिया पोस्ट पेमेंट स बैंक, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, उप निरीक्षक गरियाबंद अमित दास ने जानकारी दिया।

मुंगेली में बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

विश्व केसरी■
मुंगेली (रवि शुक्ला)। विद्युत विभाग मुंगेली के द्वारा बकाया बिजली बिल एवं बिजली चोरी के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई। अधीक्षण यंत्री सुरेश जांगड़े के निर्देश पर कार्यपालन यंत्री एन के सोनी के द्वारा मुंगेली संभाग अंतर्गत 8 टीम बनाकर जांच की कराई गई। गौर तलब हो की बिजली कंपनी के द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं एवं बिजली बिल की बकाया होने से स्मार्ट मीटर के द्वारा ऑटोमेटिक लाइन काटने की कार्रवाई की गई थी किंतु कुछ उपभोक्ताओं के द्वारा बिना बिजली बिल का भुगतान किया बिजली मीटर को बाईपास कर बिजली का उपयोग किया जा रहा था इसके खिलाफ विद्युत विभाग द्वारा टीम बनाकर बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई उक्त टीम में मुंगेली, बिलासपुर, जांजगीर चांपा बलौदा बाजार के टीमों के द्वारा 81 जगह पर जांच की गई जिसमें 39 जगह पर अनियमितता पाई गई 15 लोगों के द्वारा मीटर बायपास कर एवं डायरेक्ट हुकींग कर चोरी करते पाए गए,साथ ही घरेलू कनेक्शन से व्यावसायिक उपयोग करते पाए गए ।

विजयादशमी पर 51 फीट ऊंचे रावण का दहन



विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व नवापारा नगर सहित पूरे अंचल में मंगलवार को हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। नवापारा के हाईस्कूल मैदान में आयोजित शाही दशहरा उत्सव को लेकर सुबह से ही नगरवासियों में उत्साह रहा। शाम होते ही मैदान में लोगों की भीड़ जुटने लगी। रावण दहन से पहले रामायण मंडली के कलाकारों ने आकर्षक रामलीला का मंचन किया। भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध के प्रसंग ने दर्शकों को बांधे रखा। इसके बाद भगवान महाआरती और शानदार आतिशबाजी ने उत्सव

की रौनक बढ़ा दी। रावण दहन होते ही पूरा मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। रामलीला मंचन के बाद हुआ रावण दहन हाईस्कूल मैदान में आयोजित शाही दशहरा उत्सव को लेकर सुबह से ही नगरवासियों में उत्साह रहा। शाम होते ही मैदान में लोगों की भीड़ जुटने लगी। रावण दहन से पहले रामायण मंडली के कलाकारों ने आकर्षक रामलीला का मंचन किया। भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध के प्रसंग ने दर्शकों को बांधे रखा। इसके बाद भगवान श्रीराम की महाआरती की गई।

संपादकीय

भारत-अमेरिका: विश्वास, विकास और वैश्विक विजय का विमर्श

डॉ. शैलेश श्रक्ला

अमेरिका के लिए भारत के साथ अच्छे संबंधों का महत्व केवल व्यापार, हथियारों की खरीद या राजनीतिक मित्रता तक सीमित नहीं है। बदलती दुनिया में भारत अमेरिका की आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत के लिए भी अमेरिका के साथ अच्छे संबंध जरूरी हैं, लेकिन इस साझेदारी का महत्व समझने के लिए यह देखना आवश्यक है कि भारत आज अमेरिकी हितों के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के संबंध किस दिशा में जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का सबसे बड़ा आधार उनके व्यापक आर्थिक हित हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। यहां तेजी से बढ़ता उपभोक्ता वर्ग, बड़ी संख्या में युवा और लगातार विस्तार करता डिजिटल बाजार मौजूद है। अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत केवल फल सामान बेचने का बाजार नहीं, बल्कि निवेश, उत्पादन, अनुसंधान और नई सेवाओं के विकास का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। विमानन, निक्किस्सा उपकरण, कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, ऊर्जा, कृषि तकनीक और औद्योगिक मशीनों जैसे क्षेत्रों में भारत अमेरिकी कंपनियों को बड़े अवसर प्रदान कर सकता है।

भारत की आर्थिक प्रगति अमेरिका के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसी एक बाजार पर अत्यधिक निर्भर रहना कंपनियों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। भारत में निवेश बढ़ाकर अमेरिकी कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार कर सकती हैं और एशिया के दूसरे बाजारों तक पहुंच बना सकती हैं। भारत में उत्पादन और सेवाओं का विकास अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकता है। दूसरी ओर, अमेरिकी निवेश से भारत में रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और औद्योगिक विकास को गति मिल सकती है। इस प्रकार दोनों देशों के आर्थिक हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। भारतीय एजीनियर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और तकनीकी पेशेवर लंबे समय से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। भारतीय मूल के अनेक विशेषज्ञ अमेरिकी विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और बड़ी तकनीकी कंपनियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। इस सहयोग से



अमेरिका को कुशल प्रतिभा मिलती है, जबकि भारत को रोजगार, निवेश, अनुभव और वैश्विक तकनीकी विकास से जुड़ने के अवसर प्राप्त होते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने इस संबंध को और महत्वपूर्ण बना दिया है। अमेरिका के पास अग्रणी तकनीकी कंपनियां, बड़ी निवेश क्षमता और उन्नत अनुसंधान संस्थान हैं। भारत के पास विशाल डिजिटल बाजार, तकनीकी प्रतिभा, बहुभाषी समाज और बड़े स्तर पर डिजिटल सेवाएं विकसित करने का अनुभव है। यदि दोनों देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक चिप, क्वांटम तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान में सहयोग बढ़ाते हैं, तो उन्हें एक-दूसरे की क्षमताओं का लाभ मिल सकता है।

फरवरी 2025 में भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण तथा उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने के लिए ट्रस्ट पहल की घोषणा की थी। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, क्वांटम तकनीक, ऊर्जा, अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों को महत्व दिया गया। इन क्षेत्रों में साझेदारी अमेरिका को विश्वसनीय तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा सकती है। भारत के लिए इससे आधुनिक तकनीक, अनुसंधान, निवेश और घरेलू विनिर्माण के अवसर बढ़ सकते हैं। हालांकि, इस सहयोग की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि तकनीक का हस्तांतरण, निवेश और अनुसंधान कितना आगे बढ़ता है।

अमेरिका के लिए भारत का दूसरा बड़ा महत्व सुरक्षा से जुड़ा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति ने अमेरिकी रणनीति को प्रभावित किया है। इस क्षेत्र से दुनिया का बड़ा व्यापार गुजरता है। समुद्री मार्गों की सुरक्षा, ऊर्जा की आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय कारोबार की निरंतरता अनेक देशों के लिए आवश्यक है। हिंद महासागर में भारत की भौगोलिक स्थिति और उसकी नौसैनिक क्षमता उसे क्षेत्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण भागीदार बनाती है। भारत के साथ सहयोग से अमेरिका को समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत, समुद्री डकैती की रोकथाम और आतंकवाद के विरुद्ध प्रयासों में सहायता मिल सकती है।

लेकिन भारत को केवल चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के साधन के रूप में देखना अमेरिकी नीति की बड़ी भूल होगी।

निजीकरण की बहस, कर्मचारियों की हड़ताल और उपभोक्ताओं के अधिकारों के बीच आखिर पिस क्यों रही है आम जनता?



डॉ. प्रित्यंका सौरभ

लोककतंत्र में सरकार का सबसे बड़ा दायित्व जनता को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और संचार जैसी सेवाएँ किसी भी सभ्य समाज की आधारशिला होती हैं। इन सेवाओं की गुणवत्ता से ही प्रशासन की कार्यक्षमता और जवाबदेही का पता चलता है। लेकिन जब सरकारी व्यवस्था जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती, तो लोग बेहतर विकल्प तलाशने लगते हैं। ऐसे में निजी क्षेत्र को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। सवाल यह है कि जब सरकारी सेवाओं में सुधार की माँग उठती है और निजी विकल्प सामने आते हैं, तो बहस का केंद्र जनता को मिलने वाली सुविधा के बजाय निजीकरण का विरोध ही क्यों बन जाता है ?

भारत का दूरसंचार क्षेत्र इसका एक प्रमुख उदाहरण है। कभी बीएसएनएल देश की संचार व्यवस्था का प्रमुख आधार था, लेकिन बदलती तकनीक, निवेश, प्रतिस्पर्धा और सेवाओं की गुणवत्ता के बीच जियो और एयरटेल जैसी निजी कंपनियों ने बाजार में अपनी

करंट कर्मचारियों को, झटका जनता को!

मजबूत जगह बनाई। डाक विभाग के सामने निजी कूरियर कंपनियों का विस्तार हुआ। सरकारी विद्यालयों की सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर उठने वाले सवालों के बीच निजी स्कूलों की लोकप्रियता बढ़ी। सरकारी अस्पतालों में लंबी कतारों और संसाधनों की कमी से परेशान अनेक लोगों ने निजी अस्पतालों का रुख किया।

इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं है कि सरकारी संस्थान अप्रासंगिक हो गए हैं या निजी क्षेत्र हमेशा बेहतर सेवाएँ देता है। सरकारी संस्थानों ने दूर-दराज के क्षेत्रों तक सुविधाएँ पहुँचाने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहारा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूसरी ओर, निजी क्षेत्र में महँगी सेवाओं, मुनाफे की प्राथमिकता और उपभोक्ताओं की आर्थिक क्षमता के आधार पर सुविधाओं में अंतर जैसी चुनौतियाँ भी हैं। इसलिए असली सवाल सरकारी बनाम निजी का नहीं, बल्कि बेहतर, सुलभ, किफायती और जवाबदेह सेवाओं का है।

यही कसौटी बिजली व्यवस्था पर भी लागू होती है। आम नागरिक के लिए बिजली कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। बच्चों की पढ़ाई, किसानों की सिंचाई, छोटे दुकानदारों का कारोबार, उद्योगों का उत्पादन और अस्पतालों में मरीजों की देखभाल—सब कुछ किसी न किसी रूप में बिजली पर निर्भर है।

बिजली की आपूर्ति बाधित होने का अर्थ केवल घर में अंधेरा होना नहीं है। इससे कामकाज रुकता है, आर्थिक नुकसान होता है और सामान्य जनजीवन प्रभावित होता है। उपभोक्ता हर महीने बिजली का बिल भरता है। बदले में उसकी अपेक्षा होती है कि उसे निर्धारित दरों पर भरोसेमंद आपूर्ति मिले। उसे इस बात से कम मतलब है कि बिजली की व्यवस्था सरकारी हाथों में है या निजी क्षेत्र के पास। उसके लिए महत्वपूर्ण यह है कि घर में पंखा चले, पानी की मोटर काम करे, बच्चे पढ़ सकें और कारीगर बिना अनावश्यक रुकावट के चलता रहे। जब बिल न भरने पर उपभोक्ता को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, तो सेवा बाधित होने पर संबंधित व्यवस्था की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

हरियाणा सहित देश के कई हिस्सों में बिजली क्षेत्र के निजीकरण और कर्मचारी संगठनों की माँगों को लेकर बहस होती रही है। निजीकरण के समर्थक बेहतर प्रबंधन, निवेश, तकनीकी सुधार और कार्यकुशलता की उम्मीद करते हैं। वहीं कर्मचारी संगठनों को आशंका रहती है कि निजीकरण से रोजगार की सुरक्षा, की आवश्यक शर्तें होंगी और उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इन आशंकाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। बिजली की सुरक्षा का सेवा में किसी भी बड़े बदलाव से पहले उसके आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक प्रभावों का

आकलन जरूरी है।

निजीकरण अपने आप में तो सभी समस्याओं का समाधान है और न ही हर परिस्थिति में उसका विरोध समस्याओं का हल। यदि सरकारी व्यवस्था में कमियाँ हैं, तो उन्हें दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि निजी क्षेत्र को जिम्मेदारी सौंपी जाती है, तो उसकी सेवाओं, दरों और कार्यप्रणाली पर प्रभावी निगरानी भी जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा किए बिना किसी भी सुधार को सफल नहीं माना जा सकता। सुधार का उद्देश्य केवल व्यवस्था का स्वामित्व बदलना नहीं, बल्कि जनता को बेहतर सेवा देना होना चाहिए।

लेकिन इस पूरी बहस में एक सवाल ऐसा है, जिसे सबसे अधिक महत्व मिलना चाहिए—आखिर जनता की परेशानी का जिम्मेदार कौन है ?

बिजली कर्मचारियों को अपनी माँगें रखने, धरना देने, प्रदर्शन करने और सरकार के सामने विरोध दर्ज कराने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है। श्रमिक अधिकारों की रक्षा किसी भी लोकतांत्रिक समाज की आवश्यक शर्त है। यदि कर्मचारियों को अपनी सेवा शर्तों, रोजगार की सुरक्षा या भविष्य को लेकर चिंता है, तो उनकी बात सुनी जानी चाहिए। सरकार का दायित्व है कि वह संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान तलाशे और कर्मचारियों को अनिश्चितता में न

रखे।

लेकिन कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और आम जनता की सुविधाओं के बीच टकराव क्यों पैदा हो ? अपनी माँगों के लिए संघर्ष करना एक बात है, जबकि उस संघर्ष का बोझ उन नागरिकों पर डाल देना दूसरी बात है, जिनका विवाद से प्रत्यक्ष संबंध भी नहीं है। हड़ताल के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है, तो छोटे दुकानदारों का काम रुकता है, घरों की दिनचर्या बिगड़ती है और कार्यालयों तथा अन्य संस्थानों की गतिविधियाँ बाधित होती हैं। अस्पतालों और दूसरी आवश्यक सेवाओं में बिजली की कमी गंभीर कठिनाइयाँ पैदा कर सकती है।

यहीं कर्मचारी आंदोलन की जिम्मेदारी की परीक्षा होती है। क्या अपनी माँगों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए जनता को परेशानी में डालना अनिवार्य है? क्या सरकार पर दबाव बनाने के ऐसे तरीके नहीं अपनाए जा सकते, जिनसे आम नागरिकों की बुनियादी सुविधाएँ बाधित न हों? आवश्यक सेवाओं से जुड़े आंदोलनों में न्यूनतम जरूरी सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करना और पहले से वैकल्पिक व्यवस्था तैयार रखना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

सरकार को भी अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटना चाहिए। यदि कर्मचारियों की शिकायतें लंबे समय तक अनसुनी रहती हैं, बातचीत के रास्ते बंद होते हैं या नीतिगत फैसलों को लेकर पारदर्शिता नहीं होती, तो असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। सरकार को केवल हड़ताल समाप्त कराने पर

ध्यान देने के बजाय विवाद के मूल कारणों का समाधान करना चाहिए। निजीकरण से जुड़े निर्णयों में कर्मचारियों, उपभोक्ताओं और विशेषज्ञों की चिंताओं को सुनना चाहिए। जनता को यह जानने का अधिकार है कि प्रस्तावित बदलाव से बिजली की दरों, आपूर्ति की गुणवत्ता, ग्रामीण क्षेत्रों की सेवाओं और कर्मचारियों के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

इसी तरह बिजली कर्मचारियों को भी समझना होगा कि जनता उनकी विरोधी नहीं है। आम नागरिक भी महँगाई, आर्थिक दबाव और अनेक प्रशासनिक समस्याओं से जूझ रहा है। वह कर्मचारियों के अधिकारों का सम्मान कर सकता है, लेकिन अपनी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी स्वीकार नहीं कर सकता। इसलिए, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में हासिल करने की कोशिश आंदोलन के वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटा सकती है और लोगों के बीच नाराजगी बढ़ा सकती है।

सरकारी सेवाएँ जनता के करों, सार्वजनिक संसाधनों और नागरिकों के योगदान से संचालित होती हैं। इन्हिए प्रशासन, अधिकारी और कर्मचारी—सभी की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। कोई भी संस्था जनता से ऊपर नहीं हो सकती। सरकारी व्यवस्था अच्छी सेवा देती है, तो जनता का विश्वास मजबूत होता है। व्यवस्था विफल होती है, तो सुधार की माँग उठना स्वाभाविक है। और यदि निजी क्षेत्र को अवसर दिया जाता है, तो उसे भी जनता के हितों के प्रति जवाबदेह बनाना जरूरी है।

बोध कथा

कर्तव्य का बोध

एक किसान को विरासत में खूब धन-संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठा हुक्का गुड़गुड़ाता और गप्प हाँकता रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते।

एक दिन उसका पुराना मित्र उससे मिलने आया। यह अव्यवस्था देखकर उसे कष्ट हुआ और उसने किसान को समझाने की कोशिश की, किंतु उस पर कोई असर नहीं हुआ। तब उसने किसान मित्र से कहा कि वह उसे एक महात्मा के पास ले जाएँगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएँगे। यह सुनकर वह तुरंत अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास जा पहुँचा। महात्मा ने किसान से कहा, ‘हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गोशाला, घुड़साल और घर में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन तुम्हारे धन-

संपत्ति को बढ़ाने की क्षमता रखते हैं।’

अगले दिन किसान खुशी-खुशी सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गोशाला पहुँचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। जब वह घुड़साल गया तो वहां बेहद गंदगी पाई और देखा नौकर सो रहा था। अगले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ।

किसान के रिश्तेदार और नौकर अब सजग होकर अपना काम ईमानदारी और फूर्तुई से करने लगे। अब किसान आलस्य मुक्त और स्वस्थ हो गया, लेकिन उसे श्वेत नीलकंठ के दर्शन नहीं हुए। उसने महात्मा से जब यह बात कही तब उन्होंने कहा, ‘तुम्हें उसके दर्शन तो हो गए, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ ‘कर्तव्य’ है।’ यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

इतिहास

24 अक्टूबर का दिन भारत और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं 1577: गुरु रामदास द्वारा अमृतसर शहर की स्थापना की गई।

1605: अकबर की मृत्यु के बाद शहजादे सलीम ने मुगल साम्राज्य की गद्दी संभाली, जिन्हें इतिहास में ‘जहाँगीर’ के नाम से जाना जाता है।

1775: भारत के अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र का जन्म हुआ।

1851: कलकत्ता (अब कोलकाता) और डायमंड हार्बर के बीच पहली आधिकारिक टेलीग्राफ लाइन की शुरुआत हुई।

1945: संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक रूप से स्थापना हुई। 1947: पाकिस्तान द्वारा कश्मीर पर कबायली हमला किया गया।

कविता

दोराहा की भूमिका



डॉ. सत्यभामा आडिल

एक ठहराव-स्थल, मैंने उसे दोराहा की संज्ञा दी, इस पार से उस पार जाने की पहल, बहुत दूर तक चंदन के महक सने ईंगित में पारिजात से सुवासित आकर्षण में स्वप्निल सुगंधों के बहाव में आ गई बहते-बहते दोराहे तक उस पार, जाने पर पास देखा मैंने एक द्वार जिसके तोरन में फणेश, लटकते हुए बिच्छू के डंक

नीचे छिद्रों में छिपे हुए कांटे भरे से गुलाब से भर लिया मैंने अपना ही अंक, दुविधा की डोली में झूलता सिहर उठा अंग-अंग पुनः लेने की चाह नहीं पीछे छोड़ी गई पुरवाई आगे बढ़ने की चाह, पर छीन लेने को मेरी तनहाई दंश देने को, ठहरा है पल, न जाने क्या होगा कल ? सावन के मेघ और भादों की झड़ी सिहरन अजाने बीच राह में खड़ी, आओ जी लें हम , दोराहे की दोहरी भूमिका में, मैं, तुम, वह, हम !

व्यंग्य केसरी

ऐ बाबू, ये पब्लिक है...!



डॉ. रामेश्वरम तिवारी

संस्कृत की प्रसिद्ध उक्ति है- ‘विनाश काले विपरीत बुद्धि।’- इसी कथन को रामधारी दिनकर ने अपने प्रसिद्ध खण्डकाव्य ‘‘रश्मिरथी’’ में कुछ इस प्रकार बयान किया है-‘‘जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।’ आशय है कि जब किसी व्यक्ति का विनाश होने को होता है, तो उसकी मति मारी जाती है। सही

और गलत, उचित और अनुचित में विवेक भेद नहीं कर पाता है। ऐसा व्यक्ति सही सह दिखाने वाले को अपना शत्रु समझने लगता है। वह रावण, कंस, दुर्योधन जैसे दुष्ट-दुर्जनों की तरह खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी चला बैठता है। आज देश की राजनीति में कुछ-कुछ ऐसा ही परिदृश्य देखने में आ रहा है।

देश के अधिकाँश विपक्षी दल अपनी सत्ता को खोकर या फिर अपनी खोई हुई सत्ता की पुनर्प्राप्ति के लिए विव्कृत मनोदशा के शिकार हुए जा रहे हैं। उन्हें देश की सुरक्षा और आर्थिक प्रगति की रती भर चिंता नहीं है इसलिए आए दिन कभी सेना की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं, तो कभी विदेशी शक्तियों के इशारे पर सरकार को अस्थिर करने की साजिशें रची जा रही हैं। उसके लिए कितनी भी हद तक गिरना पड़े, तो गिरने को एक पैर पर खड़े हैं। उनके लिए अपने देश को गौरव-

माथा, सांस्कृतिक वैभव और मातृभूमि के प्रति वफादारी कोई मानी नहीं है।

जबसे देश में राष्ट्रवाद को समर्पित सनातनी सरकारें केंद्र और राश्यों में क्राबिज हुई हैं, तब से बेचारे विपक्ष के नेताओं की रातों की नींद और दिन का चैन हराम हो गया है। कल जो संविधान और लोकतंत्र के हत्यारे, देश की अस्मिता के सौदागर थे आज वही येन-केन-प्रकारेण संबैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर आरोपों की बौछार कर, घंटिया हथकंडों को अपनाकर, किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने पर तुले हुए हैं। मूर्खता की हद, तो तब हो गई जब देश के सबसे पुराने दल का नेता अपने अंधभक्तों का हजूम लेकर यह जानते हुए कि प्रोटोकॉल के तहत सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश से नहीं मिल सकता है, बावजूद अपना बकवास का पुलिंदा लिए सत्ता के भूखे भूतों को साथ लेकर

जुलूस की शक्ल में हो-हल्ला करते हुए अभेद्य अयस्क द्वार पर दस्तक देने पहुँच गया।

जबकि हकीकत यह है कि आज की जनता पहले जैसी नहीं, कुछ ज्यादा ही जागरूक और समझदार हो गई है। दूरदर्शन, मोबाइल, सोशल मीडिया की पहुँच ने उसको अपने हक और सही-गलत की पहचान का एक अचूक हथियार थमा दिया है। पहले जिसको लालच देकर आसानी से बहला-फुसलाकर अपना उल्लू साधा जा सकता था, अब वह सामने वाले को उल्लू बनाने में माहिर हो गई है। नेताओं के काले कारनामों और कारस्तानियों को भीलौंती जानने लगी है। कौन उसका सच्चा हितैषी और कौन सत्ता का लोभी भँवरा है। उसके हाथ में परख-पहचान का जादुई यंत्र जो लग गया है। इसलिए अब वह झूठे आश्वासनों और खोखले वादों की झँसेबाजी में आसानी से फँसने वाली नहीं है।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक उपलब्ध कराने सघन जांच, अमानक मिलने पर तत्काल विक्रय प्रतिबंध

लक्ष्य से अधिक 58 नमूनों की जांच, 15 अमानक पाए गए

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग जिले में कीटनाशकों की गुणवत्ता और बिक्री व्यवस्था की सघन निगरानी कर रहा है। खरीफ वर्ष 2026 में निर्धारित 35 नमूनों के लक्ष्य के विरुद्ध 58 नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इनमें 33 नमूने मानक और 15 अमानक पाए गए हैं। अमानक परिणाम प्राप्त होते ही संबंधित कीटनाशकों के विक्रय पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है। शेष 10 नमूनों के परीक्षण परिणाम प्राप्त होना बाकी है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने तथा विक्रेताओं द्वारा लाइसेंस की शर्तों के अनुरूप अभिलेखों का संभारण सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय निरीक्षण दल और विकासखंड स्तरीय निरीक्षक लगातार जांच कर रहे हैं। प्रतिष्ठानों में उपलब्ध कृषि आदानों, उनके विक्रय एवं वितरण से संबंधित अभिलेखों की जांच के साथ नियमानुसार नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों के कुल 129 निरीक्षण किए गए हैं। अनियमितताएं पाए जाने पर 14 प्रतिष्ठानों के कीटनाशक विक्रय प्राधिकार पत्र निरस्त और दो प्रतिष्ठानों के प्राधिकार पत्र निलंबित किए गए हैं। इसके अलावा 17 प्रतिष्ठानों में विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई की गई है तथा सात विक्रेताओं का स्टॉक जब्त किया गया है। एक प्रकरण में एफआईआर दर्ज कराई गई है और दो प्रकरणों में अभियोजन की अनुमति के लिए वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजे गए हैं।

शिकायत और जानकारी के लिए नियंत्रण कक्ष की सुविधा

किसानों की सुविधा के लिए उप संचालक कृषि कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। किसान कार्यालयीन दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक दूरभाष नंबर 07752-470814 पर संपर्क कर कृषि आदानों से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं अथवा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की है कि बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदें और खरीदी का बिल अवश्य लें।

उप संचालक कृषि ने बताया कि कृषि आदानों की कालाबाजारी, अवैध बिक्री और अमानक कीटनाशकों के विक्रय पर नियंत्रण के लिए निरीक्षण एवं कार्रवाई लगातार जारी है। गुणवत्ता नियंत्रण के तहत निर्धारित लक्ष्य से अधिक नमूने लेकर परीक्षण कराना और अनियमितताओं पर कार्रवाई करना इसी निगरानी व्यवस्था का हिस्सा है।

इयूटी में लापरवाही बरतने वालों पर गिरेगी गाज, पीएचसी रेवतपुर की स्टाफ नर्स निलंबित

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त रुख अगनाते हुए स्वास्थ्य विभाग ने विकासखंड राजपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेवतपुर की स्टाफ नर्स अपूर्वा सिंह भदौरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग ने मामला संज्ञान में आने के 48 घंटे के भीतर यह आदेश जारी किया।

20 अक्टूबर को एक प्रसूता प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची, लेकिन उस समय वहां स्टाफ उपस्थित नहीं था। मामला संज्ञान में आते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने 21 अक्टूबर को खंड चिकित्सा अधिकारी,



राजपुर से जांच प्रतिवेदन मांगा। उसी दिन हुए निरीक्षण में पाया गया कि मॉर्निंग इयूटी पर तैनात स्टाफ नर्स समय पर उपस्थित नहीं थीं। प्रभारी के फोन करने पर वे अस्पताल पहुंचीं और प्रसूता को भर्ती कर सुरक्षित प्रसव कराया। खंड चिकित्सा अधिकारी ने ग्राम कुंदीकला की प्रसूता अनिता सिंह से स्वयं संपर्क किया। जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह के जन्मदिवस पर सोमनाथ सोनी ने दी बधाई

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती रियासत के पूर्व राजा, लोकप्रिय एवं निष्पक्ष जननेता राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह का 23 अक्टूबर को उनके जन्मदिवस के अवसर पर क्षेत्र में अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया गया। इस अवसर पर सोमनाथ सोनी ने उन्हें अपनी आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सोमनाथ सोनी ने राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह के महान व्यक्तित्व, जनसेवा और उनके निष्पक्ष नेतृत्व को याद करते हुए क्षेत्र के विकास में उनके ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया। इस विशेष अवसर पर सोमनाथ सोनी ने शासन और प्रशासन के समक्ष एक गंभीर विषय उठाते हुए कहा कि सक्ती रियासत के इतने बड़े और जनप्रिय राजा होने के बावजूद, वर्तमान में सक्ती शहर या क्षेत्र में कहीं भी उनके नाम का उल्लेख या उनकी स्मृति से जुड़ा कोई आधिकारिक स्थल नहीं है।



राजस्व पटवारी संघ सक्ती में अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। भौतिक सत्यापन मोबाइल एप की व्यवहारिक समस्याओं के निराकरण, लंबित पदोन्नति एवं वेतन विसंगति सहित विभिन्न मांगों को लेकर राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ का अनिश्चितकालीन हड़ताल आज दसवें दिन भी जारी रहा। प्रदेश के समस्त जिलों में पटवारी अपनी जायज मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से आम जनता से जुड़े राजस्व एवं प्रशासनिक कार्य बुरी तरह प्रभावित होने लगे हैं। इनमें आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र संबंधी प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, निर्वाचन संबंधी कार्य, जनगणना, फसल कटाई प्रयोग, न्यायालयीन प्रतिवेदन, सीमांकन एवं भूमि नाप जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आगामी धान खरीदी व्यवस्था पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से माध्यम से कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। पटवारियों द्वारा पीवी एप में कार्य करने से मना किए जाने के बाद शासन-प्रशासन द्वारा निजी सर्वेयरों के माध्यम से भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पीवी एप में मुख्य रूप से ऐसे खसरे शामिल किए गए हैं, जिनका नक्शा अथवा नक्शा बटांकन उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में निजी सर्वेयर आखिर किस आधार पर खेतों एवं

वोट चोरी के विरोध में कांग्रेस की पदयात्रा

विश्व केसरी

चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। देश में कथित वोट चोरी, मतदाता सूची से लगभग 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने के आरोप तथा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों के विरोध में आज शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चिरमिरी द्वारा पदयात्रा एवं विरोध प्रदर्शन किया गया।

यह पदयात्रा बड़ा बाजार स्थित दुर्गा पंडाल से प्रारंभ होकर एसडीएम कार्यालय तक पहुंची, जहां कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और सुनिश्चित करने की मांग करते हुए जोरदार विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नेता, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पार्टी के सदस्य उपस्थित रहे। कांग्रेसजनों ने लोकतंत्र की



रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग करते हुए जोरदार विरोध दर्ज कराया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है। मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई देश के सामने लाई जानी चाहिए।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के मत की गरिमा और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना सरकार एवं चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पार्टी जनहित के मुद्दों पर अपना संघर्ष लगातार जारी रखेगी।

भानुप्रतापपुर की चारों प्रमुख सड़कों की मरम्मत व डामरीकरण की मांग, चैंबर ने सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। नागर की चारों प्रमुख सड़कों की जर्जर स्थिति और जगह-जगह बने गड्ढों की मरम्मत की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भानुप्रतापपुर इकाई ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नाम का ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि सड़कों पर गड्ढों के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों, कार्रवाई करने के निर्देश देने का आग्रह किया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़ चैंबर के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश रामानी, चैंबर ऑफ कॉमर्स भानुप्रतापपुर अध्यक्ष यश कथुरिया, नमन के अतिरिक्त आगामी धान खरीदी व्यवस्था पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।



संबंधित विभाग को शीघ्र निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश देने का आग्रह किया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़ चैंबर के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश रामानी, चैंबर ऑफ कॉमर्स भानुप्रतापपुर अध्यक्ष यश कथुरिया, नमन के अतिरिक्त आगामी धान खरीदी व्यवस्था पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का निरीक्षण

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला कोषालय का छमाही निरीक्षण किया। उन्होंने डबल लॉक व्यवस्था का भौतिक सत्यापन करने के साथ संबंधित पंजियों एवं अभिलेखों की जांच की और कोषालय के कामकाज की समीक्षा की।

कलेक्टर ने स्टाम्प एवं टिकटों के संभारण, बिल पारित करने की प्रक्रिया, पेंशन भुगतान तथा लेखा संबंधी कार्यों की जानकारी ली।



उन्होंने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप करने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने तथा बिलों और पेंशन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी बसंत गुलेरी, सहायक कोषालय अधिकारी सुजीत कुमार पात्रे, खजांची ज्ञानु भारद्वाज, के.के. यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सेवासेतु केंद्रों से नागरिकों को मिलें सुगम और त्वरित सेवाएं

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले के नागरिकों को सेवासेतु पोर्टल के माध्यम से सरल, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सेवासेतु केंद्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी बिलासपुर द्वारा खारंग जल संसाधन विभाग परिसर स्थित प्रार्थना सभा कक्ष में सेवासेतु केंद्र प्रबंधकों की समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें नागर निगम क्षेत्र एवं सभी विकासखंडों के केंद्र प्रबंधकों के साथ राजस्व विभाग के तहसीलदार, रीडर और भू-अभिलेख शाखा के कर्मचारी शामिल हुए।



प्रशिक्षण में केंद्रों के माध्यम से किए जा रहे ऑनलाइन आवेदनों तथा अपूर्ण आवेदनों को सुधार के लिए वापस भेजने और निरस्त किए जाने के कारणों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रबंधकों को विभिन्न सेवाओं के लिए आवश्यक दस्तावेजों, आवेदन प्रक्रिया और पोर्टल पर उपलब्ध नई सेवाओं की जानकारी दी गई।

केंद्र प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि आवेदन ऑनलाइन दर्ज करने से पहले संबंधित सेवा के लिए निर्धारित आवश्यक दस्तावेजों की सूची से मिलान अवश्य करें। पूर्ण और सही दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत होने से त्रुटियों के कारण आवेदन वापस होने की स्थिति कम होगी और नागरिकों को सेवाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। समीक्षा बैठक में सभी कर्मचारी सर्विस सेंटर एवं सेवासेतु केंद्रों पर राज्य कार्यालय से प्राप्त प्रबंधकों का प्रशिक्षण एवं कार्यों के फ्लेक्स एवं

जमीन धोखाधड़ी मामले में 5 व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश

विश्व केसरी

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। कलेक्टर सरगुजा ने तहसील मैनपाट के ग्राम केसरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर 1378 रकबा 3.46 हे. से संबंधित मामले में तहसीलदार मैनपाट के जांच प्रतिवेदन के आधार पर आजाद इराकी सहित कुल 5 व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश तहसीलदार मैनपाट को दिए हैं।

उपरोक्त भूमि के सम्बंध में यह शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम केसरा तहसील मैनपाट स्थित शासकीय भूमि रिनम्बरिंग खसरा नम्बर 1378 रकबा 3.46 हे. को राजस्व अभिलेख में कुटुरचना कर अवैध

रूप से निजी व्यक्ति के नाम दर्ज करा लिया गया है तथा उक्त भूमि को किसी अन्य निजी व्यक्ति के पास रजिस्ट्री कर दिया गया है। शिकायत प्राप्त होने के पश्चात शिकायत को समय सीमा में दर्ज कर तहसीलदार मैनपाट से जांच प्रतिवेदन मंगवाया गया। जांच प्रतिवेदन से यह स्पष्ट है कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख का अंतिम खसरा नम्बर 650 है। अतः अधिकार अभिलेख में खसरा नम्बर 1378 की प्रविष्टि नहीं हो सकती। खसरा नम्बर 1378 रिनम्बरिंग खसरा नम्बर है, जो पहली बार 1995-96 में राजस्व दस्तावेजों में आया है।

अतः प्रकरण से स्पष्ट है कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख में खसरा नम्बर 1378 की प्रविष्टि नहीं हो सकती। खसरा नम्बर 1378 रिनम्बरिंग खसरा नम्बर है, जो पहली बार 1995-96 में राजस्व दस्तावेजों में आया है।

पति को देवता, विवाह को सात जन्मों का रिश्ता मानने वाला ये देश, फिर क्यों शादी से बच रहीं यहां की लड़कियां



भारत की महिलाएं शादी नहीं करना चाहती हैं. हाल ही में एक सर्वे में एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है, जो इस बात की पुष्टि करत है, कि अब शादी महिलाओं की प्रार्यारिटी लिस्ट में बहुत नीचे जा चुका है. लेकिन ये बात उन लोगों के लिए चौंकाने वाली हैं, जिन्होंने इंडियन मैरिज सिस्टम को दूर से देखा है, जिसमें उसकी कमियां नहीं दिखाई देती है. यदि आप भी इसमें से एक हैं, तो चलिए यहां समझते हैं, किन कारणों से

आज के समय की महिलाएं शादी से बच रही हैं. भारत एक संस्कृति और परंपराओं वाला देश माना जाता है. यहां परिवार और रिश्ते सबसे ऊपर रखे जाते हैं. इतना ही नहीं इस देश में महिलाओं को घर इज्जत माना जाता है, पति को देवता और विवाह को सात जन्मों का रिश्ता. सुनने में ये सारी बातें बहुत ही दिलचस्प और भावनाओं से भरी लगती है. लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है, जहां महिलाएं घर की

इज्जत के नाम पर बंधनों में बांधी जाती है, दबायी जाती है, चार दीवारों और घुंघट में छिपने के लिए मजबूर की जाती हैं. हालांकि अब कई जगहों पर महिलाएं अपनी शर्तों पर जी रही हैं. लेकिन आज भी ऐसे कई इलाके और घर हैं, जहां महिलाओं को अपनी मर्जी से पहनने, रहने का आजादी नहीं हैं. वो या तो एक पुरुष की बेटी के रूप में पहचानी जाती हैं, तो किसी की बहन या पत्नी उसका खुद का कोई वजूद

नहीं होता है. ऐसे में यदि किसी सर्वे में ऐसे आंकड़े सामने आए जिसमें ज्यादातर महिलाएं शादी नहीं करना चाहती है, तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है.

क्या है सर्वे ? नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अविवाहित महिलाओं का प्रतिशत 2011 में 13.5% से बढ़कर 2021 में 19.9% ? 2हो गया है. इसका मतलब ये नहीं है कि इन सभी महिलाओं ने

जानबूझकर शादी न करने का फैसला किया है. लेकिन ये एक स्पष्ट बदलाव की ओर इशारा करता है कि कई महिलाओं के लिए शादी अब उसी रफ्तार या उसी उम्र में नहीं हो रही है, जैसी पहले होती थी.

क्यों महिलाएं शादी नहीं करना चाहती हैं ?

सारे रीति-रिवाज, रिश्तों को संभालने की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाओं पर ही थोपी गयी है. एक अच्छी बहु का टैग उसी महिला को मिलता है, जो शादी के बाद अपना पूरा जीवन अपने पति और परिवार के नाम कर देती है. ऐसे में जब महिलाओं के पास खुद की पहचान बनाने का मौका है, तो ये सवाल ही नहीं उठता है कि वो शादी करके गुमनामी की जिंदगी जिए.

पुरुषों ने हमेशा महिलाओं पर पैसे कमाने और घर के खर्च को संभालने का रौब दिखाया है. ऐसे में जब महिलाओं ने पैसे कमाना शुरू किया तो उनके पास शादी करके किसी पर निर्भर रहने और उसकी चार बातें सुनने का कोई प्रेशर नहीं बच गया.

वहीं, कुछ जिन महिलाओं में अपने आसपास की महिलाओं को शादी के बाद आए बदलावों में पीसते देखा है, मां बनने और बच्चे को संभालने के दर्द से गुजरते देखा है, उन्हें ऐसा लगता है कि शादी के बाद आजादी नहीं बच जाती है।

जब भी हो कुछ गर्म पीने का मन, 4 चीजों से बनाएं लहसुन का सूप, स्वाद में भी लाजवाब



लहसुन, घी या तेल, पानी और नमक से घर पर आसानी से गर्म सूप बनाया जा सकता है. लहसुन को धीमी आंच पर पकाने से उसका स्वाद बेहतर होता है. इसे अपनी पसंद के अनुसार हल्का मेश करके या ब्लेंड करके परीसें, अगर लहसुन से एसिडिटी होती है, तो इसे कम मात्रा में खाएं.

ठंड के मौसम में या जब कुछ हल्का और गर्म खाने का मन हो, तो लहसुन का सूप अच्छा विकल्प हो सकता है. इसे बनाने के लिए ज्यादा सामग्री या लंबे समय तक किचन में खड़े रहने की जरूरत नहीं है. लहसुन, घी या तेल, पानी और नमक से तैयार होने वाला यह सूप स्वाद में हल्का और खुशबूदार होता

है. लहसुन को धीमी आंच पर पकाने से उसका तीखापन कम हो जाता है और स्वाद थोड़ा मीठा हो जाता है. इसे घर पर बनाना आसान है और इसके लिए किसी खास कुकिंग स्किल की भी जरूरत नहीं है. आइए जानते हैं चार चीजों से लहसुन का सूप बनाने का आसान तरीका.

लहसुन का सूप बनाने के लिए सामग्री

दो लोगों के लिए सूप बनाने में आपको इन चीजों की जरूरत होगी.

- लहसुन की 15-20 कलियां
- डेढ़ चम्मच घी या जैतून का तेल
- 3-4 कप पानी
- स्वानुसार नमक

लहसुन का सूप बनाने का

तरीका

1. लहसुन छीलकर तैयार करें सबसे पहले लहसुन की कलियों को छील लें, अगर कलियां बड़ी हैं, तो उन्हें लंबाई में दो टुकड़ों में काट सकते हैं. लहसुन के बीच में हरा अंकुर दिखाई दे, तो उसे निकाल दें. इससे सूप का स्वाद बेहतर रखने में मदद मिल सकती है. लहसुन को बहुत बारीक काटने की जरूरत नहीं है.

2. घी या तेल में लहसुन पकाएं अब एक बर्तन में घी या तेल डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. इसमें लहसुन की कलियां डालें और करीब 8-10 मिनट तक धीरे-धीरे पकाएं. बीच-बीच में चम्मच से चलाते रहें, ताकि लहसुन बर्तन में चिपके नहीं. ध्यान रखें कि लहसुन को भूरा या ज्यादा सुनहरा नहीं करना है. ज्यादा पकने पर इसका स्वाद कड़वा हो सकता है. जब कलियां नरम होने लगें और अच्छी खुशबू आने लगे, तो अगला स्टेप पूरा करने के लिए तैयार हैं.

3. पानी डालकर सूप उबालें अब बर्तन में 3-4 कप पानी डालें. इसे उबाल आने तक पकाएं. इसके बाद आंच धीमी कर दें और बर्तन को थोड़ा ढककर करीब 15-20 मिनट तक पकने दें. जब लहसुन की कलियां आसानी से दबने लगें, तो समझें कि सूप तैयार होने के करीब है।

शहद, अदरक और तुलसी का कमाल, खांसी-जुकाम में दादी-नानी के ये नुस्खे आएंगे काम



मौसम बदलते ही खांसी और जुकाम की समस्या आम हो जाती है. गले में खराश, नाक बंद होना, छींकें आना और शरीर में थकान महसूस होना इसके सामान्य लक्षण हैं. ऐसे में दादी-नानी के बताए कुछ घरेलू नुस्खे काफी राहत पहुंचा सकते हैं. ये उपाय आसानी से घर में उपलब्ध चीजों से किए जा सकते हैं और शरीर को प्राकृतिक रूप से आराम देने में मदद करते हैं.

शहद और अदरक का सेवन

अदरक में मौजूद गुण गले की खराश को कम करने में मदद करते हैं. एक चम्मच अदरक के रस में एक चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो से तीन बार सेवन करें. इससे खांसी में राहत मिल सकती है और गले को आराम मिलता है.

तुलसी और काली मिर्च की चाय

तुलसी के पत्ते और काली मिर्च का काढ़ा या चाय सर्दी-जुकाम में काफी फायदेमंद माना जाता है. एक कप पानी में 5-6 तुलसी की पत्तियां और 3-4 काली मिर्च उबालें. चाहें तो थोड़ा गुड़ भी मिला सकते है. यह शरीर को गर्माहट देता है और बंद नाक खोलने में मदद करता है.

हल्दी को प्राकृतिक एंटीसेप्टिक माना जाता है. रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से गले की खराश और खांसी में आराम मिल सकता है. यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाने में सहायक माना जाता है।

शमोंडा वायरस क्या है? इंसानों के बीच पहुंचा एक नया खतरा, पहला केस आने पर जानें डब्ल्यूचओ ने क्या कहा



कोरोना वायरस से मची तबाही के बाद लगातार कई नए वायरस इंसानों पर खतरा बनकर एक के बाद एक हावी हो रहे हैं. हाल ही में शमोंडा वायरस का पहला मामला सामने आया है. ये वायरस क्या है, कैसे फैलता है और कितना खतरनाक हो सकता है, चलिए इस लेख में जानते हैं.

दुनिया में जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है. फ्रांस में शमोंडा वायरस से इंसान के संक्रमित होने का पहला मामला सामने आया है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू॥ह) ने 20 अक्टूबर 2026 को फ्रांस की ओर से इस

मामले की जानकारी मिलने की पुष्टि की है. अब तक इस वायरस को मुख्य रूप से जानवरों को प्रभावित करने वाला संक्रमण माना जाता था.

ऐसे में इंसान में संक्रमण का मामला सामने आना अपने आप में एक चिंता का विषय है. फिलहाल ये एक अकेला मामला बताया गया है और संक्रमण कैसे फैला, इसकी जांच की जा रही है. डब्ल्यू॥ह और फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. हालांकि, इस एक मामले से बड़े स्तर पर संक्रमण फैलने का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता, लेकिन वायरस के इंसानों तक पहुंचने के तरीके को समझना

जरूरी है.

क्या है शमोंडा वायरस ?

शमोंडा वायरस एक ऐसा वायरस है, जो मुख्य रूप से जानवरों को संक्रमित करता है. अब

हालांकि, गर्भावस्था के दौरान संक्रमित जानवर से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे तक वायरस पहुंचने की आशंका हो सकती है।



ऋषिकेश को देख भावुक हुए आनंद महिंद्रा, याद आए पुराने दिन, तब और अब में जमीन-आसमान का फर्क, देखें ये 5 अनछुए ठिकाने

कल-कल करती मां गंगा की लहरें, ऊंचे पहाड़, दूर तक फैली हरियाली और सुरम्य वातावरण किसको अपनी कशिश में नहीं बांध लेगा. ऋषिकेश की यही खासियत है. सदियों से ऋषिकेश ऐसा ही है लेकिन अब इसकी सुंदरता में और ज्यादा पैनापन आ गई है. देश के दिग्गज उद्योगपति आनंद महिंद्रा इसी आकर्षण में ऐसे मंत्रमुग्ध हुए है कि वे तस्वीरों के माध्यम से अपनी भावुकता को छुपा नहीं सके. वक्त के साथ शहर बदलते हैं, लेकिन यादों की खुशबू कभी धुंधली नहीं होती. आनंद महिंद्रा ने इसी को अपनी यादों की दुनिया में उतारा है. उन्होंने आधुनिक ऋषिकेश और दशकों पहले के शांत, सुरम्य ऋषिकेश के बीच के फर्क को बयां किया है. अगर आप आज के ऋषिकेश में जाएं तो आपको क्या देखना चाहिए, आइए इस अनमोल खजाने की दीदार करते हैं.

आनंद महिंद्रा इन तस्वीरों को देखकर भावुक हो गए और उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह पोस्ट



लिखी जो इस प्रकार हैं- इन तस्वीरों को देखकर मुझे ऋषिकेश में बिताए अपने पुराने दिन याद आ गए. तब मैं रिसर्च के लिए फिल्म मैकिंग कर रहा था. जब मैं अपनी थीसिस के लिए फिल्म बना रहा था, तब

‘चोटीवाला रेस्टोरेंट’ लगभग मेरी कैटोन जैसा ही था. मैं अक्सर साधु बानखंडी बाबा पर शूटिंग करने के लिए स्वर्गाश्रम के पीछे पहाड़ियों पर जाता था. काफी समय से वापस नहीं गया हूं. लेकिन ऋषिकेश में काफी

बदलाव और नयापन देखने को मिल रहा है! नदी के किनारे नए रिवर फ्रंट बन गए हैं जहां आप पैदल चल सकते हैं. रास्ते और संवरे हुए और सार्वजनिक स्थान बेहतरिन दिख रहे हैं. एक ऐसे शहर के लिए यह एक

अच्छ और नया रूप है, जहां प्रकृति ने हमेशा से सबसे ज्यादा खुबसूरती बिखेरी है. लेकिन मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि इन सभी बदलावों के बीच, ऋषिकेश अपनी आत्मा अपनी मूल पहचान को बनाए रखे. समय आ गया है कि ऋषिकेश वापस जाऊँ और खुद जाकर देखूँ

आज जहां एक तरफ ऋषिकेश आज कैफे कल्चर, राफिटिंग और भीड़भाड़ का केंद्र बन चुका है, वहीं आनंद महिंद्रा की ये बातें हमें उस दौर में ले जाता है जब गंगा की कल-कल ध्वनि हर कोने में साफ सुनाई देती थी. अगर आप भी भीड़-भाड़ से दूर उसी पुराने शांत ऋषिकेश को महसूस करना चाहते हैं, तो हम आपको ले चलते हैं ऋषिकेश के उन 7 अनछुए और छिपे हुए खजानों की सैर पर, जहां आज भी कुदरत का असली सुकून बसता है.

तपोवन का नया रिवरफ्रंट बोर्डवॉक : ऋषिकेश में गंगा किनारे कई जगह रिवर फ्रंट बना दिया गया है. तपोवन सदियों से पर्यटकों का केंद्र रहा है. यहां आधुनिक

रिवरफ्रंट वॉकवे ने इस पारंपरिक घाट क्षेत्र को एक नया रूप दे दिया है. यहां एक तरफ गंगा जी की बहती निर्मल धारा, गंगा आरती की मधुर ध्वनियां और मंदिरों का शांत वातावरण मन को सुकून देता है, तो दूसरी तरफ साफ-सुथरे पैदल रास्ते, व्यवस्थित बैठने की जगहें और

रोशनी का आधुनिक इंतजाम इसे बेहद आकर्षक बनाते हैं. शाम के समय यहां टहलाना पुरानी आध्यात्मिक शांति और नए दौर के सुव्यवस्थित इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अद्भुत अहसास कराता है

स्वर्गाश्रम और राम झूला का आसपास का इलाका : स्वर्गाश्रम

आधुनिक समय का सबसे बड़ा केंद्र रहा है. अब इसमें और निखार आ गया है. स्वर्गाश्रम ऋषिकेश का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दिल माना जाता है. गीता भवन और परमार्थ निकेतन जैसे पुराने आश्रमों के कारण यहां की हवा में एक गहरा आध्यात्मिक पहरावर और शांति है।



माधुरी दीक्षित निकलीं ‘लॉली’ की बड़ी फैन, दोहराया लॉली का डायलॉग

विश्व केसरी ■ मुंबई। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित विवज शो ‘कोण होणार करोडपती’ के आगामी एपिसोड में ‘महाराष्ट्राची हास्यजत्रा’ की कास्ट गेस्ट के तौर पर नजर आएंगी। शो की कास्ट के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि वह एक्ट्रेस नम्रता संभराव के मशहूर किरदार लॉली की फैन हैं। विवज शो ‘कोण होणार करोडपती’ के आगामी एपिसोड में, कास्ट के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने न सिर्फ लॉली के किरदार को याद किया, बल्कि उसके



डायलॉग को भी दोहराया। अभिनेत्री कहती हैं, ‘मुझे लॉली का किरदार बहुत पसंद है।’ अभिनेत्री की बात सुनकर नम्रता संभराव काफी उत्साहित नजर आईं और उन्होंने अभिनेत्री से पूछा कि क्या उन्होंने उनका किरदार देखा है, तो माधुरी ने हां कहा और लॉली के डेंटिस्ट वाले स्किट को याद किया। बता दें कि नम्रता द्वारा निभाया गया लॉली का किरदार ‘महाराष्ट्राची हास्यजत्रा’ के मशहूर और पसंदीदा कॉमिक किरदारों में से एक है। अपनी अनोखी शैली और बेहतरीन डायलॉग डिलीवरी के कारण यह किरदार महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

इस किरदार का सबसे लोकप्रिय संवाद, ‘मेरी आंखों में मत देखो, प्यार हो जाएगा’ बहुत पॉपुलर है। जब भी मंच पर कोई पुरुष कलाकार उनसे बात करने की कोशिश करता है, तो वह इसी चुलबुले और मजाकिया अंदाज में जवाब देती हैं। इसके अलावा, उनकी एक अन्य पंचलाइन ‘लॉली गार होत नसते, बिकॉज लॉली इज हॉट’ भी दर्शकों के बीच काफी वायरल है।

लॉली का गेटअप बेहद अनोखा और फनी होता है। वह बड़े-बड़े रंग-बिरंगे गहने, सिर पर एक बहुत ऊंचा जूड़ा (हैशटैग हेयरस्टाइल) और उस पर बड़ा सा फूल लगाए नजर आती हैं। उनकी चमकीली साड़ियां और आंखों के अनोखे एक्सप्रेसंस उनके लुक को और भी ज्यादा मजेदार बनाते हैं। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अद्भुत अभिनय क्षमता की बदौलत नम्रता संभराव ने लॉली के रूप में दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। इस किरदार की दीवानगी आम जनता के साथ-साथ बॉलीवुड और टीवी के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है।



मलाइका के जन्मदिन पर अमृता ने ली चुटकी, बोलीं- नाम देवदूतों वाला, लेकिन असली शैतान को मैं जानती हूं

विश्व केसरी ■ मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा शुक्रवार को 53वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन पर उनकी छोटी बहन अमृता अरोड़ा ने अलग अंदाज में बधाई दी। उन्होंने मलाइका के लिए एक कविता लिखी, जिसमें प्यार के साथ-साथ उनकी जमकर खिंचाई भी की। अमृता की इस कविता पर मलाइका ने प्यार लुटाया, तो वहीं करीना कपूर खान भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सकीं। अमृता ने इंस्टाग्राम पर मलाइका की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में प्यारी सी कविता लिखी और उनके साथ अपने पुराने दिनों की यादों को ताजा किया। अमृता ने लिखा, ‘मल्ला (मलाइका), मेरी बहन, जिसका अंदाज सबसे अलग है। हमें क्या पहनना है, किसकी पसंद अच्छी है और किसकी बात मानी जाए, इन बातों पर घंटों बहस होती थी, लेकिन कोई हल नहीं निकलता था। फिर भी, हर मुश्किल में



हम हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे। दूर-साल और करीब ला दिया।’ अमृता ने आगे मलाइका की खिंचाई करते हुए लिखा, ‘मलाइका के

नाम का मतलब देवदूत है, इसलिए आप बाकी सबको बेवकूफ बना सकती हो, लेकिन मुझे नहीं। मैं उस असली शैतान को जानती हूँ, जो आपके अंदर छिपा बैठा है। उफ्फ! आखिरकार मैंने तुमसे किया कविता लिखने का वादा पूरा कर दिया। अच्छा, अब जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी बहन। तुमसे बहुत प्यार है।’ बहन अमृता की कविता पढ़कर मलाइका ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कमेंट में लिखा, ‘आखिरकार मुझे अपनी कविता मिल ही गई।’ इसके साथ उन्होंने लव इमोजी भी शेयर किए। वहीं करीना कपूर खान ने भी अमृता की तारीफ करते हुए मजेदार कमेंट किया। करीना ने लिखा, ‘अमृता जी, तालियां बनती हैं। बहुत अच्छा।’ इसके बाद उन्होंने अमृता से तुरंत व्हाट्सएप मैसेज भेजने को कहा और कमेंट में लिखा, ‘अब मुझे व्हाट्सएप पर मैसेज भेजो।’ इनके अलावा, एक्ट्रेस दीपा मिर्जा ने भी कमेंट में ‘लव हार्ट’ भेजा।

स्टॉकहोम में स्टीवी वंडर का जादू देख भावुक हुए अनुपम खेर, बैकस्टेज मुलाकात को बताया अविस्मरणीय

विश्व केसरी ■ मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर हाल ही में स्टॉकहोम में सिंगर स्टीवी वंडर का परफॉर्मेंस देखने गए थे। इसके साथ ही, उन्होंने गायक से बैकस्टेज मुलाकात भी की थी। अभिनेता ने इस मुलाकात को अविस्मरणीय बताया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने हाल ही में ‘वंडर्स ऑफ वंडर्स – एन इवनिंग विद स्टीवी वंडर’ का कॉन्सर्ट अटेंड किया था। उन्होंने अपनी इस पोस्ट के जरिए कहा कि गायक ने अपने सुरों से एरिना को जादू से भर दिया था। अभिनेता ने लिखा, ‘कल शाम स्टॉकहोम में क्या ही शानदार शाम थी। एक के बाद एक गाना और स्टीवी वंडर के हर सुर के साथ पूरा एरिना जादू से भर गया। मुझे नहीं लगता कि मैं बता पाऊंगा कि उन्हें इतने करीब से परफॉर्म करते हुए देखना कैसा लगा।’



अभिनेता ने आगे बताया कि म्यूजिक, लय, हाव-भाव और परफॉर्मेंस की बारीकियों ने इसे एक यादगार अनुभव बना दिया। म्यूजिक लेजेंड से बैकस्टेज मिलने के पल को याद करते हुए अनुपम ने कहा कि वह सिर्फ

एक दिग्गज सिंगर से नहीं, बल्कि एक नेकदिल इंसान से मिले, जिनकी दयालुता और गर्मजोशी ने उन पर गहरी छाप छोड़ी। अनुपम ने यह भी बताया कि एक एक्टर के तौर पर स्टीवी वंडर ने जिस तरह उनकी तारीफ की, उससे वह काफी भावुक हो गए। अभिनेता ने लिखा, ‘जिस तरह से उन्होंने एक एक्टर के तौर पर मेरी तारीफ की, वह दिल को छू लेने वाला था। मैं वहां से आभारी और विनम्र महसूस करते हुए निकला और यह याद करते हुए कि सच्ची महानता में एक नरमी होती है। स्टारडम आता-जाता रहता है, लेकिन दयालुता और शालीनता हमेशा साथ रहती है।’ इस अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए अनुपम ने लिखा, ‘अपने दोस्त ब्रायन लारोडा (स्टीवी के मैनेजर) का दिल से शुक्रिया। उन्होंने न सिर्फ हमारे लिए शानदार सीटों का इंतजाम किया, बल्कि अविस्मरणीय मुलाकात को मुमकिन भी बनाया।

मनोज बाजपेयी को बचपन से अपना आदर्श मानते हैं अक्षय ओबेरॉय, बोले- उनसे प्रेरित होकर लिए करियर के फैसले



विश्व केसरी ■ मुंबई। अभिनेता अक्षय ओबेरॉय जल्द ही फिल्म ‘गजब रात’ में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय अपने अभिनय का एक अलग अंदाज दिखाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जिसमें अच्छाई के साथ बुराई के रंग भी देखने को मिलेंगे। अक्षय ने बताया कि मनोज बाजपेयी ऐसे कलाकार हैं, जिनसे वह बचपन से प्रभावित रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनोज जैसे कलाकारों को देखकर ही उन्होंने अपने करियर से जुड़े कई फैसले लिए हैं। मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए अक्षय ने कहा, ‘मनोज बाजपेयी बचपन से ही मेरे लिए आदर्श रहे हैं। मैं उनकी परफॉर्मेंस देखते हुए बड़ा हुआ हूँ, और कई मायनों में, मैंने अपने करियर के फैसले उनके

जैसे एक्टर्स को देखकर लिए हैं, जिन्होंने हमेशा तय रास्ते पर चलने के बजाय अच्छी कहानियों और दमदार किरदारों को चुना। ऐसे कलाकार अपने काम को बोलने देते हैं और किसी दिखावे पर निर्भर नहीं रहते।’ अक्षय ने आगे कहा, ‘मनोज बाजपेयी ने कलाकारों को सिखाया है कि एक अच्छा और यादगार करियर बनाने के लिए हमेशा तय रास्ते पर चलना जरूरी नहीं है। इसके बजाय, अपने चुने हुए किरदारों और उन कहानियों पर भरोसा करना जरूरी है, जिन्हें आप दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। मेरा मानना है कि एक कलाकार के तौर पर आप ऐसे लोगों से प्रेरणा लेते हैं, जो यह भरोसा दिलाते हैं कि अभिनय की दुनिया में सिर्फ पद पर नजर आने से कहीं ज्यादा है।’ मनोज बाजपेयी के साथ पर्दा साझा करने को अक्षय ने अपने लिए बेहद खास

अनुभव बताया। उन्होंने कहा, ‘जिस कलाकार के काम ने आपके सफर को प्रभावित किया हो, उसके साथ काम करना एक तरह आपकी विनम्रता है, तो दूसरी तरह उत्साहित भी करता है। मनोज बाजपेयी अपने अभिनय में गहराई, सच्चाई और अप्रत्याशित अंदाज लेकर आते हैं। यही वजह है कि उनके साथ फिल्मया गया हर सीन और दिलचस्प बन जाता है।’ अक्षय ने बताया कि ‘गजब रात’ में मनोज बाजपेयी के साथ उनका आमना-सामना करने वाला सीन उनके लिए खुद को चुनौती देने का मौका था। इस सीन के दौरान उन्हें अपने अभिनय में एक अलग ऊर्जा लाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह ऐसा अनुभव है, जिसे वह एक अभिनेता और मनोज के लंबे समय से प्रशंसक होने के नाते हमेशा याद रखेंगे।

काजी तौकीर के सपोर्ट में उतरीं सारा आफरीन खान, कहा- शो में चल रहा है उनके खिलाफ गेम



विश्व केसरी ■ मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ के हालिया एपिसोड में तीखी बहस और विवाद देखने को मिला। शो के दौरान आसिफ खान ने काजी तौकीर पर हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर वह काफी नाराज नजर आए। आसिफ की तीखी प्रतिक्रिया पर टीवी होस्ट और अभिनेत्री सारा आफरीन खान ने भी आपत्ति जताई। दरअसल, यह विवाद हालिया एपिसोड के प्रसारण के बाद चर्चा में आया। एपिसोड में एक बातचीत या टास्क के दौरान काजी तौकीर ने मजाकिया अंदाज में कहा था, ‘मुझे दिल का दौरा पड़ रहा है।’ बताया जाता है कि आसिफ खान पहले हृदय संबंधी स्वास्थ्य

समस्याओं का सामना कर चुके हैं। ऐसे में उन्होंने काजी की टिप्पणी को व्यक्तिगत रूप से लिया और इसे अपनी बीमारी का मजाक समझा। हालांकि, काजी ने बार-बार स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य आसिफ या उनकी स्वास्थ्य स्थिति का उपहास करना नहीं था। उन्होंने अपनी बात के लिए कई बार माफी भी मांगी। इसके बावजूद दोनों के बीच तनाव बना रहा और आसिफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। बहस के दौरान उन्होंने काजी के प्रति कड़ी टिप्पणियां भी कीं। अब इस मामले पर सारा आफरीन खान का कहना है कि काजी तौकीर को शो में बहुत ज्यादा टारगेट और अटैक किया जा रहा है। सारा ने यह भी कहा कि अच्छे और सीधे लोगों पर हमेशा ऐसे हमले

होते रहते हैं और यह ज़िंदगी का एक हिस्सा है। सारा आफरीन खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि ‘बिग बॉस 20’ के अंदर काजी के खिलाफ गेम चल रहा है और घर के सदस्य आसानी से उन्हें निशाना बना रहे हैं। वीडियो में वह कहती हैं, ‘शो में दिखाया गया है कि काजी किसी बात पर मस्ती-मजाक में कह रहे हैं, कि उन्हें दिल का दौरा पड़ जाएगा। उन्हें आसिफ की स्वास्थ्य समस्या के बारे में पता भी नहीं था। मैं मानती हूँ कि यह किसी भी व्यक्ति की हेल्थ कंडीशन के लिए बहुत सीरियस बात है, लेकिन कभी-कभी हम मस्ती मजाक में ऐसी बातें बोल देते हैं।

रसिका दुग्गल ने की बच्चों के लिए फिल्में बनाने की अपील, कहा- उनकी जिज्ञासा को अपनाना जरूरी

विश्व केसरी ■ मुंबई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल का कहना है कि ‘लिटिल थॉमस’ जैसी फिल्में बच्चों के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां उन्हें अपने अनुभवों और भावनाओं से जोड़ने का अवसर देती हैं। फिल्म में वह जेसी मिरांडा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस तरह की कहानी बच्चों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, कल्पना करने और अपने आसपास की दुनिया को समझने पर आजादी देंगी। उन्होंने कहा, ‘सिनेमा आपकी दुनिया को बड़ा करने और कल्पना को बढ़ावा देने का एक शानदार तरीका है। बड़े होने पर हमारे मन में जो कई विचार आते हैं, उनका कनेक्शन अक्सर बचपन में देखी गई फिल्मों से होता है।’ बच्चों के लिए अच्छी फिल्मों की जरूरत पर बात

करते हुए रसिका ने कहा, ‘इसलिए हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनसे बच्चे खुद को जोड़ सकें। ऐसी फिल्में उनकी जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे अपनाएं।’ रसिका ने कहा कि बच्चों के लिए फिल्में बिना हल्की-फुल्की हुए भी मनोरंजक हो सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, ‘इस तरह की फिल्में भी बच्चों का मनोरंजन कर सकती हैं। मैं चाहूंगी कि ज्यादा से ज्यादा फिल्ममेकर ऐसी कहानियों को एक्सप्लोर करें जिन्हें बच्चे एन्जॉय कर सकें और जो उनकी कल्पना के लिए नई संभावनाएं खोलें। कौशल ओझा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1990 के दशक के गोवा में सात साल के थॉमस और उसके परिवार के जीवन के उतार-चढ़ाव को दिखाती है, जो मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की कहानियों की याद दिलाती है।

जर्मन कंपनियों के लिए भारत में निवेश, विनिर्माण और नवाचार के बड़े अवसर: पीयूष गोयल

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में कई प्रमुख उद्योगपतियों और कारोबारी नेताओं के साथ बैठकों के दौरान कहा कि भारत जर्मन कंपनियों के लिए निवेश, विनिर्माण और नवाचार के क्षेत्र में अपार अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जोर दिया कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के पास विश्वास, प्रतिस्पर्धात्मकता और एक-दूसरे की पूरक क्षमताओं पर आधारित एक मजबूत आर्थिक साझेदारी बनाने का सुनहरा अवसर है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने फ्रेसेनियस ग्रुप के सीईओ माइकल सेन के साथ भी बैठक की। दोनों पक्षों ने भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, गुणवत्तापूर्ण और ‘किफायती चिकित्सा सेवाओं’ की मांग तथा मजबूत विनिर्माण क्षमता का लाभ उठाकर सहयोग



बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा कि भारत की कुशल प्रतिभा और विश्वस्तरीय उत्पादन क्षमता का उपयोग कर जर्मन कंपनियां न केवल भारतीय बल्कि वैश्विक बाजारों की जरूरतों को भी पूरा कर सकती हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा, ‘फ्रेसेनियस ग्रुप के सीईओ श्री माइकल सेन के साथ एक सार्थक बैठक हुई। भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, गुणवत्तापूर्ण और किफायती चिकित्सा समाधानों की बढ़ती मांग और मजबूत विनिर्माण क्षमताओं का

लाभ उठाते हुए, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने के अवसरों पर चर्चा की गई। यह भी पता लगाया गया कि कंपनी अपने कुशल कर्मचारियों और विश्व स्तरीय उत्पादन क्षमताओं का उपयोग करके घरेलू और वैश्विक बाजारों को कैसे सेवाएं प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, उनकी स्टीफन ओएलरिख, जो बेयर के फार्मास्यूटिकल्स डिवीजन के अध्यक्ष हैं, के साथ सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान भारत में बेयर की विस्तार योजनाओं और देश के तेजी से विकसित हो रहे स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक निवेश, नवाचार और सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

इसके साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने बर्लिन में नॉफ ग्रुप के ग्लोबल जनरल पार्टनर मुरात अकयिलदिज के साथ भी बैठक की, जिसमें भारत में कंपनी के बढ़ते विनिर्माण विस्तार, टिकाऊ निर्माण सामग्री और बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

राष्ट्रपति एर्दोगन और पीएम कार्नी की मुलाकात, तुर्की और कनाडा के बीच रणनीतिक साझेदारी पर बनी सहमति

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने तुर्की की पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से भेंट की। इस दौरान ऊर्जा, व्यापार, परिवहन और रक्षा उद्योग समेत कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट करके मुलाकात की जानकारी साझा की। एर्दोगन ने लिखा, ‘मेरे प्रिय मित्र, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की ऐतिहासिक महत्व की यात्रा के अवसर पर तुर्की में उनकी मेजबानी करके मुझे बेहद खुशी हुई।’

राष्ट्रपति एर्दोगन ने बताया कि पीएम कार्नी की महत्वपूर्ण यात्रा में हमने तुर्की और कनाडा के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत हम आने वाले समय में ऊर्जा, व्यापार,



परिवहन और रक्षा उद्योग जैसे कई क्षेत्रों में नई परियोजनाएं शुरू करना चाहते हैं। साथ ही हमने व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए इस वर्ष के अंत से पहले फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत शुरू करने का भी निर्णय लिया है।

एर्दोगन ने कहा, ‘हमारा लक्ष्य है कि वर्तमान में लगभग तीन अरब डॉलर के आसपास रहने वाले द्विपक्षीय व्यापार को पहले पांच अरब डॉलर और उसके बाद 10 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए।’ उन्होंने कहा कि आज हमने

तीसरे देशों में संयुक्त निवेश के अवसरों पर भी चर्चा की। हमारा मानना ​​है कि अफ्रीका से लेकर लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया से लेकर सुदूर पूर्व तक के व्यापक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

एर्दोगन ने बताया कि हम दोनों सहयोगी देश रक्षा उद्योग में साझेदारी के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं। इसका उदाहरण हाल ही में अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान भी देखने को मिला था।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान सीमा बंद होने से पाकिस्तान के दवा निर्यात में 30 फीसदी की गिरावट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के साथ व्यापार बाधित होने के कारण पाकिस्तान के दवा निर्यात में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान का फार्मास्यूटिकल निर्यात 30.26 प्रतिशत घट गया, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में इसके मूल्य में 25.53 प्रतिशत की और गिरावट आई। पाकिस्तान के मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के मुताबिक, उद्योग जगत ने इस गिरावट के लिए अफगानिस्तान के साथ व्यापार बंद होने को प्रमुख कारण बताया है। पाकिस्तान के समाचार पत्र ‘द न्यूज’ की गुरुवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान लंबे समय से पाकिस्तान के दवा उद्योग के सबसे बड़े बाजारों में शामिल रहा है। सीमा बंद होने और व्यापारिक गतिविधियां बाधित होने से इस उद्योग को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (पीबीएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान का फार्मास्यूटिकल निर्यात घटकर 31.90 करोड़ डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 45.74 करोड़ डॉलर था। इस तरह निर्यात के मूल्य में 13.84 करोड़ डॉलर की कमी आई। निर्यात की मात्रा में भी गिरावट दर्ज की गई।

दिल्ली-मुंबई समेत 6 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, हवाला नेटवर्क का पर्दाफाश

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशों से भारी विदेशी मुद्रा मंगाने और फर्जी कंपनियां बनाने की जांच के सिलसिले में दिल्ली और मुंबई समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने बताया कि ‘मेगा मिलेनियम’ कंपनी और उसके निदेशक के खिलाफ कार्रवाई में हवाला नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने ‘मेगा मिलेनियम’ कंपनी के कार्यालयों, उसके निदेशक हरीश डेड्डिया से घर और फार्माहाउस पर तलाशी अभियान चलाया है। अधिकारियों के अनुसार, मुंबई, दिल्ली और करजत (महाराष्ट्र) में लगभग आधा दर्जन ठिकानों पर यह कार्रवाई की जा रही है। मुंबई और दिल्ली में इसके निदेशक के आवास और महाराष्ट्र के करजत स्थित एक फार्माहाउस पर तलाशी ली जा रही है। इस मामले में बिजनेसमेन हरीश डेड्डिया और उनकी पत्नी धारा डेड्डिया मुख्य आरोपी हैं। ये दोनों कंपनी के डायरेक्टर हैं। आरोप है कि दुबई और सिंगापुर की संदिग्ध कंपनियों से भारी विदेशी मुद्रा (फरिन एक्सचेंज) मंगावाई गई है। साथ ही, हरीश डेड्डिया ने अपने ही नौकरों और डमी लोगों को डायरेक्टर बनाकर फर्जी कंपनियां बनाईं। यह भी आरोप है कि कंपनी बनने के एक साल के अंदर ही सैकड़ों करोड़ रुपए, उनमें डाले गए और फिर शेल कंपनियों के जरिए लेयरिंग कर काले धन की सफेद किया गया। ईडी की कार्रवाई में अब तक कई करोड़ की विदेशी करेंसी, भारतीय केश, कीमती ज्वेलरी और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ईडी की यह कार्रवाई अभी जारी है।

लाल सागर नौका हमले की घटना में सभी 14 भारतीय सुरक्षित : भारतीय दूतावास

विश्व केसरी■
यमन। सऊदी अरब के लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में हमले की शिकार हुई एक नौका में सवार 14 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यमन में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यमन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ‘सभी 14 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और यमन में होदेदाह के आसपास मौजूद हैं। हम उनकी सलामती सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम करते रहेंगे।’

यमन के हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को दावा किया कि सऊदी अरब ने लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में जुकर द्वीप के पास 14 भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नौका को निशाना बनाया। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया के मुताबिक, यमन के सशस्त्र बल नौका पर सवार लोगों को बचाने के अभियान में जुटे।

सारेया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा, ‘शुरुआती जानकारी के अनुसार, सऊदी



अरब ने जुकर द्वीप के पास भारतीय नागरिकों को ले जा रही नौका को निशाना बनाया। यमन के सशस्त्र बल बचाव अभियान चला रहे हैं।’

यह घटनाक्रम सऊदी अरब में दम्पाम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार रात हुए हमले के एक दिन बाद सामने आया है। भारतीय दूतावास ने गुरुवार को बताया कि इस हमले में मारे गए दो लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था, जबकि दो अन्य भारतीय नागरिक घायल हुए हैं।

दूतावास ने एक्स पोस्ट में कहा, ‘सऊदी अधिकारियों ने हमले में भारतीय

नागरिक की मौत और दो अन्य भारतीयों के घायल होने की जानकारी दी है। हम घटना से जुड़ी अधिक जानकारी जुटा रहे हैं और पीड़ित परिवारों के संपर्क में हैं।’ उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने गुरुवार को सऊदी अरब में नागरिक और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय ने दम्पाम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और सऊदी अरामको के पूर्वी प्रांत स्थित शैबद तेल क्षेत्र पर 21 अक्टूबर को हुए हमलों का विशेष रूप से उल्लेख किया।

प्रशासनिक सुधारों और क्षमता विकास में उत्तर प्रदेश, देश के लिए रोल मॉडल : डॉ. जितेंद्र सिंह

विश्व केसरी■
लखनऊ। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से ही प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है, जिसमें नागरिकों का विश्वास बढ़े। साथ ही सरकारी सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनें।

उत्तर प्रदेश ने इन सुधारों को अपनाने और क्षमता विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मिशन कर्मयोगी के तहत प्रदेश का प्रथम स्थान प्राप्त करना और ‘आई-गांट कर्मयोगी’ प्लेटफॉर्म पर सर्वाधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे करना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

लखनऊ में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि यूपी में कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान



प्रशासन से मिलने वाला सहयोग और मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत रुचि कार्यों को सुचारु रूप से पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में केंद्र सरकार बनने के बाद राजपत्रित अधिकारियों से दस्तावेजों के सत्यापन की अनिवार्यता समाप्त करने और सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने जैसे कदम उठाए गए। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद भी ने साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने की दिशा में पहल की गई, ताकि चयन प्रक्रिया में भेदभाव को

आशंकाओं को कम किया जा सके। उन्होंने रोजगार मेले, केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) और डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जैसी पहलों का भी उल्लेख किया। डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र में बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन तकनीक के इस्तेमाल से पेंशनभोगियों को सुविधा मिली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रशासन में ‘रूल बेस्ट’ दृष्टिकोण से आगे बढ़कर ‘रोल बेस्ट’ कार्यप्रणाली अपनाना आवश्यक है।

मुंबई में मेयर कार्यालय और कई स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

विश्व केसरी■
मुंबई। मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के कार्यालय और राजधानी के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मेयर कार्यालय को एक ईमेल मिला है, जिसमें कार्यालय के अलावा 3-4 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह तीसरी बार है, जब मेयर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों के बीच हड़कंप मच गया। मुंबई पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाड को भी मौके पर बुलाया। मुंबई पुलिस



ने पुलिस ने मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत सब जगहों की जांच की, लेकिन वहां कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और ईमेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

इससे पहले, शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग ने तलाशी अभियान शुरू किया।

अब तक कोई संदिग्ध वस्तु या आपत्तिजनक सबूत नहीं मिला है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, धमकियां पाने वाले स्कूलों में रोहिणी का वेंकटेश्वर पब्लिक स्कूल और मयूर विहार का सालवन पब्लिक स्कूल शामिल हैं। दमकल विभाग को इन दोनों स्कूलों के संबंध में क्रमशः सुबह 9.37 बजे और 9.57 बजे कॉल मिलीं। पुलिस ने बताया कि मयूर विहार स्थित सलवान पब्लिक स्कूल को मिली धमकी में 30 अक्टूबर को बम हमले की बात कही गई थी।

575 करोड़ रुपए के जेट और हेलीकॉप्टर सौदे पर कांग्रेस के सवाल, मध्य प्रदेश सरकार से मांगा खर्च का ब्योरा

विश्व केसरी■
भोपाल। कांग्रेस ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 575 करोड़ रुपए की संयुक्त लागत से एक जेट और एक हेलीकॉप्टर की खरीद पर सवाल उठाया। यह खरीद राज्य के कर्ज के बोझ और सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले महिला समूहों को मानदेय भुगतान में देरी के बीच की गई है। कांग्रेस ने खरीद अनुबंधों, भुगतानों और अतिरिक्त खर्चों का खुलासा करने की मांग की। मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि विमानों की कीमतों में



वृद्धि और उनके आंतरिक साज-सज्जा पर किए गए खर्च से पारदर्शिता और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार की खर्च करने की प्राथमिकताओं पर सवाल उठते हैं।

राज्य मंत्रिमंडल ने 10 जुलाई, 2024 को इन खरीदों को मंजूरी दी थी। जेट की शुरुआती लागत लगभग 234 करोड़ रुपए थी, जो बढ़कर 350 करोड़ रुपए हो गई, जबकि हेलीकॉप्टर की कीमत 125 करोड़ रुपए से बढ़कर 225 करोड़ रुपए हो गई।

नायक ने दावा किया कि जेट के इंटीरियर को कस्टमाइज करने पर लगभग 60 करोड़ रुपए और हेलीकॉप्टर के इंटीरियर पर 20 करोड़ रुपए खर्च किए गए। उन्होंने सीमा शुल्क, जीएसटी, बीमा और अन्य घटकों पर हुए खर्च का विवरण, निविदा दस्तावेज, अनुबंध और भुगतान

रिकॉर्ड की मांग की। मध्य प्रदेश के कर्ज के बोझ तले भाजपा सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन और मिड-डे मील तैयार करने वाली महिला समूहों को मानदेय भुगतान में देरी की शिकायतों का हवाला दिया। उन्होंने ठेकेदारों के लंबित भुगतानों और अधूरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, ‘जगत का पैसा लोगों की जरूरतों पर खर्च किया जाना चाहिए, न कि ऐसी सुविधाओं पर जिनकी आवश्यकता और लागत ही गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती हैं।’

भगवंत मान ने ड्रग्स मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा, बोले-गुजरात से आ रही है नशीली खेप

विश्व केसरी■
चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी राज्य से सत्ता से बाहर हो जाएगी।

भगवंत मान ने कहा कि गृह मंत्री की इच्छा के अनुसार सरकार नहीं बनेगी और साथ ही दावा किया कि गुजरात देश में ड्रग्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा था कि आगामी



चुनावों में पार्टी राज्य से पूरी तरह से साफ हो जाएगी और एनडीए सरकार बनाएगी और 2029 तक राज्य से ड्रग्स की समस्या को खत्म कर देगी। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ‘सरकार अमित शाह की इच्छा के अनुसार नहीं बनेगी। यह पंजाब के 3.25 करोड़ लोगों की इच्छा के अनुसार बनेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब का सबसे बड़ा ड्रग्स

कॉर्टल अकाली दल-भाजपा सरकार के कार्यकाल (2007 से 2017) के दौरान फला-फूला। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, ‘बड़े तस्करो ने कई वरिष्ठ मंत्रियों के नाम लिए थे, जिनसे अब वे समझौते की बात कर रहे हैं?’ ड्रग्स गुजरात से आ रही है। उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि उन्होंने 20,000 करोड़ की ड्रग्स जब्त की है।’

पंजाब में सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रोन के इस्तेमाल को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ‘मादक पदार्थ बंदरगाहों तक कैसे पहुंच रहे हैं? बंदरगाहों पर उचित सीमा शुल्क प्रक्रियाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं हैं।’

सिलिकॉन वैली स्वचैश: अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■
रेडबुड सिटी। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिक्स् की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्वचैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिक्स् की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद, 18 साल की भारतीय

खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया।

अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर



क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।' अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूँ तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।' स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी।

टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूँ।' अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्वचैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्वचैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

नितेश, थुलसिमथी ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स में सिल्वर जीता

विश्व केसरी ■
नागोया। भारत के नितेश कुमार और थुलसिमथी मुरुगेसन ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला और हिकमत रामदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 21-11 से दबदबा बनाया, लेकिन दूसरा गेम 19-21 से हार गई और फिर आखिरी गेम में 14-21 से हार गई।

इससे पहले, थुलसिमथी मुरुगेसन ने विमेंस सिंगल्स एसयू5 फाइनल में चीन की यांग से 21-18, 21-11 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता था। नितेश ने हमवतन प्रमोद भगत को हराकर गोल्ड मेडल जीता था। प्रमोद ने 2018 और 2022 एशियन में गोल्ड जीता था। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मुकाबला 21-18, 21-16 से



नितेश के पक्ष में रहा।

एक अन्य मैच में नित्या श्री सुमति

सिवन ने महिला एकल एसएच6 फाइनल में

चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से

हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता।

पैरा बैडमिंटन में, एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जो हाफ कोर्ट पर खेलते हैं, जबकि एसएल4 उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जिनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर होता है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों में कमी है, जबकि एसएच6 छोटे कद के एथलीटों के लिए है।

भारत हांगझोऊ 2023 में अपने अब तक के सबसे अच्छे एशियन पैरा गेम्स कैपेन के बाद आइची-नागोया पहुंचा है। भारतीय दल ने पिछले संस्करण में रिकॉर्ड 111 मेडल जीते थे, जिनमें 29 गोल्ड, 31 सिल्वर और 51 ब्रॉन्ज थे।

रिपोर्ट लिखे जाने तक एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय दल 104 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 27 गोल्ड, 34 सिल्वर और 43 ब्रॉन्ज हैं। भारतीय दल फिलहाल चौथे नंबर पर है।

थुलसिमथी-मानसी की जोड़ी ने जीता गोल्ड मेडल

विश्व केसरी ■
नागोया। भारत की पैरा बैडमिंटन जोड़ी थुलसिमथी मुरुगेसन और मानसी जोशी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिला डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है।

भारतीय जोड़ी ने चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन किङ्किस्या यांग और जुक्सियान जिओ को सीधे गेम में 21-16 और 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एशियन चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में मिली हार का बदला लिया और यह अहम मेडल जीता। इस मेडल के साथ थुलसिमथी और मानसी ने पिछले संस्करण में जीते अपने सिल्वर मेडल का रंग भी बदल लिया है।

इससे पहले, दिन में थुलसिमथी ने नितेश कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 में सिल्वर मेडल जीता। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला और हिकमत रमदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। थुलसिमथी ने महिला सिंगल्स में भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया। फाइनल में उन्हें चीन की

यांग से 21-18, 21-11 के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

भारत के नवीन शिवकुमार और नितेश कुमार ने क्रमशः पुरुष सिंगल्स एसएल3 और एसएल4 कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीते। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच हुए ऑल-इंडिया फाइनल में नितेश ने अपने ही देश के प्रमोद भगत (जिनहोंने 2018 और 2022 संस्करणों में गोल्ड जीता था) को 21-18, 21-16 से हराया।

एक अन्य मुकाबले में नित्या श्री सुमति सिवन को महिला सिंगल्स एसएच6 फाइनल में चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हार मिली, जिसके बाद उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। पैरा बैडमिंटन में एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले पैरों में गंभीर दिव्यांगता है और वह हाफ कोर्ट पर खेलते हैं। वहीं, एसएल4 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में दिव्यांगता तो है। लेकिन उनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों (हाथों) में दिव्यांगता है, जबकि एसएच6 कम कद वाले खिलाड़ियों के लिए है।

न्यूजीलैंड के क्रिकेट फैंस के बीच रोहित और विराट को देखने का आकर्षण है: जेम्स पैमेंट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम 5 टी20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के दौर पर है। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे सीरीज का हिस्सा हैं। ऐसे में वनडे सीरीज को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट फैंस के बीच उत्साह ज्यादा है।

न्यूजीलैंड के पूर्व सहायक कोच और मुंबई इंडियंस के फील्डिंग कोच रह चुके जेम्स पैमेंट ने कहा है कि रोहित और विराट का आकर्षण बहुत ज्यादा है। इस वजह से वनडे सीरीज को लेकर फैंस के बीच रोमांचक ज्यादा है।

जेम्स पैमेंट ने आईएनएस से खास बातचीत में कहा, 'मुझे ऐसा लगता है कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की कंडीशन काफी समान हैं। डरबन, पोर्ट एलिजाबेथ (अब गकेबरहा) और न्यूलैंड्स जैसे मैदान न्यूजीलैंड की कंडीशन से काफी मिलते-जुलते हैं। ऐसे मैदान ही भारतीय खिलाड़ियों को पांच वनडे मैचों की सीरीज में मिलेंगे।' उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के क्रिकेट फैंस और दुनियाभर के



क्रिकेट फैंस शायद रोहित और विराट को न्यूजीलैंड में आखिरी बार देखने जा रहे हैं। यह अविवशसनीय है। वनडे सीरीज के दौरान स्टेडियम हाउसफुल होगा। यह उन दोनों जैसे वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ियों को देखने का आकर्षण है। देखना होगा कि न्यूजीलैंड में हमारे लड़के इन खिलाड़ियों को कैसे मुकाबला करते हैं। हमने घर

पर बहुत अच्छा वनडे क्रिकेट खेला है।'

वनडे सीरीज को लेकर पैमेंट ने कहा, 'न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए यह बहुत जरूरी सीरीज है। 12 मैचों के लिए भारत की मेजबानी कर पाना आर्थिक रूप से बेहद फायदेमंद है। न्यूजीलैंड क्रिकेट को पिछले साल 7 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था। इस सीरीज से

उनके बोर्ड को आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। सीरीज के सभी मैचों के टिकट बिक जाने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के बहुत से लोग रहते हैं। निश्चित रूप से वे अपने क्रिकेट स्टार्स को देखने के लिए स्टेडियम में आएंगे। ऐसे में मैचों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे।

ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है।

बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से

लो-ग्रेड राइट एंडिकटर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।' ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान ब्रेकफ पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

नवंबर में नेपाल संग ट्राई-सीरीज खेलेंगी भारतीय महिला अंडर-19 की दो टीमें

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में 10 से 22 नवंबर तक एक ट्राई-सीरीज का आयोजन होगा, जिसमें भारत की दो अंडर-19 महिला टीमों नेपाल का सामना करेंगी। यह सीरीज अगले साल होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप की तैयारियों के अंतिम चरण का हिस्सा है, जिसमें दो बार की चैंपियन भारतीय टीम अपने खिताब को बचाने की कोशिश करेगी।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएनए) के सचिव पारस खड्का द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस सीरीज में भारत की अंडर-19 महिला 'ए' और 'बी' टीमों के साथ नेपाल की अंडर-19 महिला टीम हिस्सा लेगी। 12 नवंबर को भारत की अंडर-19 'बी' टीम भारत का मुकाबला नेपाल से होगा, और फिर 14 नवंबर को नेपाल की टीम भारत की 'ए' टीम से भिड़ेगी।



इसके बाद 18 नवंबर को भारत की अंडर-19 'बी' टीम फिर से नेपाल का सामना करेगी, और 20 नवंबर को भारत की अंडर-19 'ए' टीम नेपाल के खिलाफ खेलेगी। यह

ट्राई-सीरीज 22 नवंबर को फाइनल मैच के साथ समाप्त होगी। सभी मैच वर्ल्ड कप 2027 के ग्रुप ए में भारत को सह-मेजबान नेपाल, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ रखा गया

जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2027 के ग्रुप ए में भारत को सह-मेजबान नेपाल, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ रखा गया

‘आपको ट्रैक को पूरी तरह से खोलना होगा’, यूएस जीपी से पहले बोले मैक्स वेरस्टैपेन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रेड बुल ड्राइवर मैक्स वेरस्टैपेन ने वोकेड के यूनाइटेड स्टेट्स ग्रैंड प्रिक्स से पहले ऑस्टिन ट्रैक पर बम्पस की बुराई करते हुए कहा कि उन्हें बम्पस मंजूर नहीं हैं। ऑस्टिन में यूनाइटेड स्टेट्स जीपी से पहले मीडिया से बात करते हुए, चार बार के चैंपियन ने ट्रैक पर चुनौतियों के बारे में बताया।

वेरस्टैपेन ने कहा, मुझे यह ट्रैक पसंद है, मुझे यह जगह पसंद है। यह रहने के लिए सबसे अच्छा शहर है। लेकिन, मेरे लिए बम्पस मंजूर नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'आपको ट्रैक को पूरी तरह से खोलना होगा। इसमें बहुत पैसा और समय लगता है, लेकिन इससे छुटकारा पाने का यही एकमात्र तरीका है। ये उभार नैचुरल नहीं हैं और कंट्रोल से बाहर हैं।' द सर्किट ऑफ द अमेरिकाज

पहले दलदली जमीन पर बना हुआ है, जिससे आयोजकों के लिए इसे



अच्छी हालत में बनाए रखना मुश्किल हो गया है। हालांकि, वेरस्टैपेन इसे बहाने के तौर पर नहीं देख रहे हैं, बल्कि उन्हें इस बात की चिंता है कि उम्र बढ़ने के साथ यह रेसर्स को परेशान करेगा। वेरस्टैपेन ने कहा, 'आप यह बहाना बना सकते हैं कि मिट्टी समस्या है, लेकिन तब आपको यह पता होना चाहिए था और आपको यह पक्का करना होगा कि आप इसे और मजबूत करें। उदाहरण के लिए, आप एक कोने में लगभग 5-6 जी

खींचते हैं, लेकिन मुझ पर कुछ इम्पैक्ट और वर्टिकल लोड पड़ा, जो मेरी रीढ़ की हड्डी पर 9 जी से ज्यादा था। मैं आपको बता सकता हूँ कि यह सच में मजेदार नहीं है। आप जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, इसके बारे में और ज्यादा सोचते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस सीजन में कारों को पिछले सीजन के मुकाबले कोनों पर नीचे चलने की वजह से बम्पस का सामना करना पड़ सकता है।

महंगे मेमोरी चिप्स के चलते भारत में स्मार्टफोन शिपमेंट तीसरी तिमाही में 20 प्रतिशत गिरा: रिपोर्ट



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। भारत के स्मार्टफोन बाजार में साल 2026 की सितंबर तिमाही यानी तीसरी तिमाही के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को जारी काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, मेमोरी चिप्स की रिकॉर्ड ऊंची कीमतों के कारण स्मार्टफोन

निर्माण लागत बढ़ने से देश में स्मार्टफोन शिपमेंट सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घट गई और यह पिछले एक दशक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में मांग लगातार कमजोर बनी हुई है। यही वजह है कि स्मार्टफोन कंपनियों ने त्योहारी सीजन से

पहले भी डिस्ट्रीब्यूशन चैनलों में अतिरिक्त स्टॉक भेजने से परहेज किया। बढ़ती कीमतों का सबसे ज्यादा असर एंट्री और मिड-रेंज सेगमेंट पर पड़ा है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि 20,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की शिपमेंट में

47 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। कई मॉडलों की कीमतें बढ़ने के कारण वे उच्च मूल्य वर्ग में पहुंच गए, जिससे आम उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता प्रभावित हुई।

काउंटरपॉइंट के रिसर्च एनालिस्ट शुभम सिंह ने कहा कि कंपोनेंट्स की बढ़ती लागत ने स्मार्टफोन कीमतों को ऊपर धकेला है, जिसका सीधा असर विशेष रूप से 15,000 रुपये से कम कीमत वाले मास मार्केट सेगमेंट पर पड़ा है, जो लंबे समय

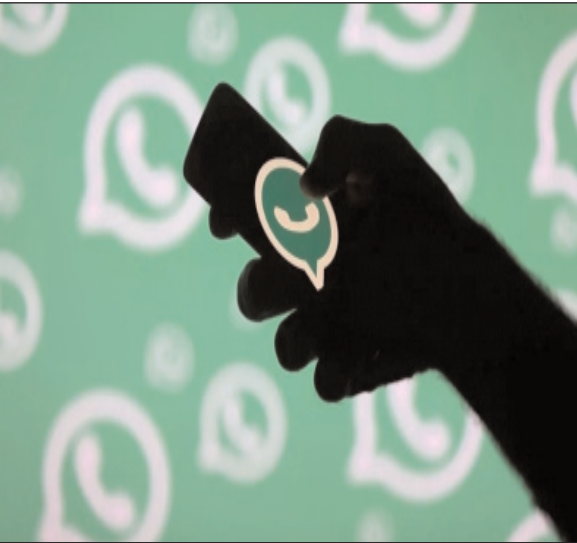
से भारतीय स्मार्टफोन बाजार की वृद्धि का मुख्य आधार रहा है। वहीं, काउंटरपॉइंट के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक का कहना है कि पूरे वर्ष 2026 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। बढ़ती कीमतों के कारण नए फोन खरीदने की मांग और पुराने फोन बदलने का चक्र दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद आने वाली सामान्य सुस्ती बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। वहीं, कंपोनेंट्स की ऊंची लागत के चलते कंपनियां बिक्री सीजन के बाद एक बार फिर कीमतें बढ़ा सकती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका असर पहले से ही मास मार्केट सेगमेंट में दिखाई देने लगा है। लागत को नियंत्रित रखने के लिए कई कंपनियां अपने पोर्टफोलियो में अधिक 4जी स्मार्टफोन और अपेक्षाकृत कम फीचर्स वाले मॉडल पेश कर रही हैं। कुछ मूल्य वर्गों में कंपनियां कीमत बरकरार रखते हुए स्पेसिफिकेशन कम करने की रणनीति भी अपना रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, 2027 में भी बाजार के लिए चुनौतियां बनी रह सकती हैं। स्मार्टफोन की बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं के रिप्लेसमेंट चक्र को और लंबा कर रही हैं, जिससे बिक्री में तेज रिकवरी की संभावना सीमित हो सकती है। ऐसे में भविष्य की वृद्धि मुख्य रूप से प्रीमियम और अपर-मिड सेगमेंट में देखने को मिल सकती है, जबकि कम कीमत वाला बाजार वहनीयता संबंधी चुनौतियों और कंपनियों के घटते मार्जिन के दबाव में रहेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में नो-कॉस्ट ईएमआई, एक्सचेंज ऑफर और रिटेलर-आधारित प्रमोशनल स्कैम्स की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाएगी। इनके जरिए उपभोक्ताओं के लिए महंगे स्मार्टफोन में अपग्रेड करना अपेक्षाकृत आसान बनाया जा सकेगा।

2027 से व्हाट्सएप और अन्य मैसेजिंग ऐप्स पर लागू हो सकते हैं, सिम हटाते ही बंद हो सकता है अकाउंट एक्सेस



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। यदि आप व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं और अकाउंट बनाने के बाद संबंधित सिम कार्ड फोन से निकाल देते हैं या किसी दूसरे डिवाइस में रख देते हैं, तो इसको लेकर 1 जनवरी 2027 से नए नियम लागू हो सकते हैं। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने साइबर धोखाधड़ी पर रोक लगाने और भारतीय मोबाइल नंबरों के दुरुपयोग को रोकने के लिए मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को 31 दिसंबर 2026 तक नए सिम-बाईंडिंग नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है।

नए नियम लागू होने के बाद ऐसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, जो भारतीय मोबाइल नंबरों के आधार पर पंजीकरण करते हैं, उन्हें यह

सुनिश्चित करना होगा कि संबंधित मोबाइल नंबर उसी डिवाइस में मौजूद सक्रिय सिम या ई-सिम से जुड़ा हो। सरल शब्दों में कहें तो अब उपयोगकर्ता अकाउंट बनाने के बाद सिम कार्ड हटाकर लंबे समय तक उसी अकाउंट का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यदि रजिस्टर्ड सिम कार्ड निकाल दिया जाता है, बदल दिया जाता है या निष्क्रिय हो जाता है, तो मैसेजिंग ऐप उस अकाउंट की सेवाओं को तब तक सीमित या निलंबित कर सकता है, जब तक वही नंबर दोबारा सक्रिय सिम या ई-सिम के माध्यम से सत्यापित नहीं हो जाता।

सरकार का यह कदम बढ़ते साइबर अपराध, फिशिंग नेटवर्क और तथाकथित 'डिजिटल ओरेस्ट' जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

दूरसंचार विभाग के अनुसार, कई धोखाधड़ी गिरोह भारतीय मोबाइल नंबरों पर सिम खरीदकर मैसेजिंग अकाउंट बनाते हैं और बाद में उन अकाउंट्स का संचालन भारत के बाहर से करते हैं। सरकार का कहना है कि सक्रिय सिम और अकाउंट के बीच मजबूत संबंध स्थापित होने से सीमा-पार साइबर धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी।

व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म, जो उपयोगकर्ता पहचान और पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबरों का उपयोग करते हैं, इन नियमों के दायरे में आने की संभावना है। हालांकि रिपोर्टों के अनुसार सैनपैट पर यह नियम लागू नहीं होने की उम्मीद है। वहीं सिग्नल को लेकर अभी स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अब तक उपलब्ध जानकारी से यह संकेत नहीं मिलता कि 1 जनवरी, 2027 से व्हाट्सएप किसी विशेष आईफोन या एंड्रॉइड मॉडल पर काम करना बंद कर देगा। प्रस्तावित प्रतिबंध केवल सिम सत्यापन और अकाउंट प्रमाणीकरण से संबंधित हैं, न कि डिवाइस के ब्रांड या ऑपरेटिंग सिस्टम से।

इन नियमों का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ सकता है जो रजिस्टर्ड सिम को दूसरे फोन में रखते हैं लेकिन व्हाट्सएप किसी अन्य डिवाइस पर चलाते हैं।

2047 तक करीब 450 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है भारतीय फार्मा उद्योग का आकार, गुजरात निभाएगा बड़ी भूमिका: विशेषज्ञ

विश्व केसरी ■ अहमदाबाद। फार्मा सेक्टर के विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि भारत के फार्मास्यूटिकल उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए उद्योग, सरकार, नियामकों और शिक्षण संस्थानों के बीच मजबूत तालमेल की जरूरत है। उन्होंने फार्मा हब के रूप में गुजरात की भूमिका, रिसर्च को बढ़ावा देने, बायोफार्मास्यूटिकल्स और हाई-वैल्यू मैनुफैक्चरिंग, घरेलू एपीआई उत्पादन को मजबूत करने, तथा वैश्विक दवा आपूर्ति शृंखलाओं (सप्लाय चेन) की सुरक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सीआईआई फार्मा समिट 2026 में इंडियन ड्रग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडीएमए) के अध्यक्ष डॉ. विरेंची शाह ने न्यूज



एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए कहा कि भारत को दुनिया की 'फार्मसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाता है और गुजरात को देश की फार्मा राजधानी माना जाता है, क्योंकि देश के कुल फार्मास्यूटिकल विनिर्माण का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा अकेले गुजरात से आता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, 'यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो अमृतकाल के दौरान वर्ष 2047 तक भारतीय फार्मा उद्योग का आकार करीब 450 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सीआईआई फार्मा समिट का उद्देश्य भी यही है कि उद्योग, नियामक संस्थाएं और अकादमिक जगत मिलकर यह तय करें कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कौन से कदम उठाए जाने चाहिए।' डॉ. विरेंची शाह ने आगे

आईएनएस से कहा कि फार्मा उद्योग की विकास रणनीति में ग्रीन केमिस्ट्री और पर्यावरणीय मानकों का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि देशभर में विकसित हो रहे बकल ड्रग पार्कों में अपशिष्ट जल शोधन और प्रदूषण नियंत्रण के लिए वैश्विक मानकों को अपनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य केवल वैश्विक स्तर पर उत्पादन (वॉल्यूम) में नेतृत्व बनाए रखना नहीं, बल्कि वैल्यू एडेड उत्पादों और नवाचार के क्षेत्र में भी नेतृत्व स्थापित करना है।

डॉ. शाह ने कहा कि सरकार की विभिन्न नीतियां और उद्योग जगत की पहलें इसी दिशा में आगे

थकान और तनाव से पाना है छुटकारा तो करें दोलासन, जानें इसके फायदे

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में योग एक ऐसी प्राचीन पद्धति है, जो न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखती है, बल्कि मन को भी शांत करती है। योग के इन्हीं आसनों में 'दोलासन' का विशेष महत्व है।

दोलासन दो शब्दों से मिलकर बना है, 'दोल' यानी झुलना और 'आसन' यानी मुद्रा। इस आसन को करने के दौरान शरीर झुले के समान आगे-पीछे झूलता है। यह आसन खासतौर पर पेट, पीठ और रीढ़ की हड्डी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, दोलासन (पेंडुलम या झुलने की मुद्रा) एक गतिशील योगासन है। इसका नियमित अभ्यास थकान, सिरदर्द और मानसिक तनाव को कम करने में सहायक है।

शारी से पहले या शारी के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

जब कहीं न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

छत्तीसगढ़ के नं.01 हेल्थसोलॉजिस्ट

डॉ. सागर

धातु रोग शुक्राणु की कमी शिप्रपतन रक्तदोष निःसंतान

मेन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023

8109126351 9425257615

Network COMPUTERS

Wholesale & Retail Shop

कंप्यूटर से जुड़ी हर जरूरत का एक ही नाम...

LAPTOP New Laptop, Refurbished Laptop, Best Price, Original with Warranty

DESKTOP Branded Desktop, Custom PC Build, Home & Office Use, Upgrade & Service

PRINTER Inkjet | Laser | All in One, Sales & Service, Original Cartridge & Toner, Bulk Printing Solutions

CCTV CAMERA HIKVISION / CP PLUS / DAHUA, Installation & AMC, Home / Office / Shop / Industry

NETWORKING Router / Switch / Access Point, LAN & Wi-Fi Setup, Network Cabling & Configuration, Office & Enterprise Solution

INTERACTIVE PANEL Smart Class Solution, Office Presentation, Interactive Flat Panel, Projector & Screen

ACCESSORIES Inkjet | Laser | All in One, Sales & Service, Original Cartridge & Toner, Bulk Printing Solutions

GENUINE PRODUCTS EXPERT SERVICE SUPPORT, BEST PRICES, BUSINESS & BULK SUPPLY, GOVT. ORDERS (Gst Supply)

Shop No. FF-30 (1st Floor), Millennium Plaza, Banstali Road, Raipur (C.G.)

9329100386 07714095051

narad_nishad@rediffmail.com

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

DR. PRAJWAL SONI M.B.B.S., M.D. Obstetrics & Gynaecologist, colposcopist, Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170 9200668168

Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) **911677722**

Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband (C.G.) **7509007388**

drprajwalsoni@gmail.com

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.

83700 09993

:H.O.:

Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

